@Kamal.Sandesh KamalSandeshLive kamalsandesh.org kamal.sandesh @KamalSandesh

कमल संदेश

प्रधानमंत्री ने रखी विंध्याचल में ग्रामीण पेयजल आपूर्ति परियोजनाओं की आधारशिला

वर्ष-15, अंक-23 01-15 दिसम्बर, 2020 (पाक्षिक) ₹20

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष का हिमाचल प्रवास

'भाजपा सरकार बनाने के लिए नहीं, मां भारती की सेवा के लिए सत्ता में आती है'

विजयपुर, बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश) में प्रबुद्ध लोगों से मुलाकात करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

हिमाचल प्रदेश स्थित नैना देवी मंदिर में प्रार्थना करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

चेन्नई (तमिलनाडु) में जनाभिवादन स्वीकार करते
केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह

भाजपा तमिलनाडु प्रदेश पदाधिकारियों और जिलाध्यक्षों से संवाद करते
केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह

कमल संदेश

पाक्षिक पत्रिका

संपादक
प्रभात झा

कार्यकारी संपादक
डॉ. शिव शक्ति बक्सी

सह संपादक
संजीव कुमार सिन्हा
राम नयन सिंह

कला संपादक
विकास सैनी
भोला राय

डिजिटल मीडिया
राजीव कुमार
विपुल शर्मा

सदस्यता एवं वितरण
सतीश कुमार

इ-मेल
mail.kamalsandesh@gmail.com
mail@kamalsandesh.com
फोन: 011-23381428, फैक्स: 011-23387887
वेबसाइट: www.kamalsandesh.org

विषय-सूची

06 **प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर के नेतृत्व में हिमाचल प्रदेश में चहुंओर विकास हो रहा है: जगत प्रकाश नड्डा**

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा का 21 नवंबर 2020 को हिमाचल प्रदेश पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। प्रदेश के...

श्रद्धांजलि

कैलाश सारंग का निधन 20

नहीं रहीं गोवा की पूर्व राज्यपाल मृदुला सिन्हा 21

लेख

मृदुला सिन्हा : वात्सल्य की साक्षात् मूर्ति 32

वैचारिकी

दक्षिणपंथ व वामपंथ के आधार पर दलों का विभाजन अनुचित 19

अन्य

सांगठनिक विस्तार के लिए भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष के 120 दिन के विस्तृत राष्ट्रीय प्रवास कार्यक्रम की घोषणा 12

भाजपा राष्ट्रीय मोर्चो के प्रभारियों की नियुक्ति 14

पिछले डेढ़ साल में 2.60 करोड़ परिवारों को मुहैया कराए गए पेयजल कनेक्शन: नरेन्द्र मोदी 16

पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत 25 लाख से अधिक आवेदन हुए प्राप्त 17

50,000 से ज्यादा आयुष्मान भारत हेल्थ एंड वेल्नेस सेंटरों का परिचालन शुरू 18

देश ने कोविड-19 महामारी का सामना समन्वित प्रयासों से किया: नरेन्द्र मोदी 22

राष्ट्रीय हित के विरुद्ध चलने वाले अपवित्र 'ग्लोबल गठबंधन' को बर्दाश्त नहीं करेंगे: अमित शाह 24

भारत में कार्बन उत्सर्जन को 30-35 प्रतिशत कम करना हमारा उद्देश्य: प्रधानमंत्री 27

कोविड महामारी दूसरे विश्व युद्ध के बाद की सबसे बड़ी चुनौती है: नरेन्द्र मोदी 31

08 बिहार में नई राजग सरकार ने ली शपथ

बिहार में नई राजग सरकार के लिए शपथ ग्रहण समारोह 16 नवंबर को राजभवन में आयोजित किया गया। श्री नीतीश कुमार ने सातवीं बार...

10 भाजपा के कार्यालय केवल ढांचा या भवन नहीं हैं, बल्कि ये तो कार्यकर्ताओं को संस्कारित...

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 17 नवंबर 2020...

13 मोदी सरकार चट्टान की तरह तमिलनाडु सरकार के साथ खड़ी है: अमित शाह

केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने 21 नवंबर को तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में करीब...

26 संपन्न हुआ मालाबार समुद्री अभ्यास 2020

भारतीय नौसेना (आईएन) द्वारा दो चरणों में आयोजित मालाबार समुद्री अभ्यास के 24वें...

प्रकाशक एवं मुद्रक: डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा मुद्रित, डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास के लिए डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा प्रकाशित, एच.टी. मीडिया लिमिटेड, बी-2, सेक्टर-63, नोएडा (उ.प्र.)-201307 से मुद्रित एवं डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी.-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003 से प्रकाशित। सम्पादक- प्रभात झा

सोशल मीडिया से

नरेन्द्र मोदी

परिस्थिति कैसी भी हो, आपका पराक्रम और शौर्य अतुलनीय है। आपके इसी शौर्य को नमन करते हुए 130 करोड़ देशवासी आपके साथ मजबूती से खड़े हैं। उन्हें आपकी अजेयता पर, आपकी अपराजेयता पर गर्व है। दुनिया की कोई भी ताकत हमारे वीर जवानों को देश की सीमा की सुरक्षा करने से रोक नहीं सकती है।

जगत प्रकाश नड्डा

बिहार में लोग जातिवाद, समाज को बांटने के विषय पर बोलते थे लेकिन आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास की संस्कृति भारत को दी है। बिहार की जनता ने इसी पर मुहर लगाई है। विशेषकर युवाओं, महिलाओं ने मोदी जी की नीतियों को समर्थन दिया है।

अमित शाह

जम्मू और कश्मीर हमेशा से भारत का अभिन्न अंग रहा है और रहेगा। भारतीय नागरिक अब हमारे राष्ट्रीय हित के खिलाफ अपवित्र 'ग्लोबल गठबंधन' को बर्दाश्त नहीं करेंगे। या तो गुपकार गैंग राष्ट्रीय भावना के साथ चले या फिर जनता उनको करारा जवाब देगी।

राजनाथ सिंह

अब हमारी सरकार ने सेनाओं को यह खुली छूट दे रखी है, कि वे LAC पर किसी भी तरह के बदलाव का पूरी ताकत से विरोध करें। मैं देश को आश्वस्त करना चाहता हूं कि प्रधानमंत्री मोदीजी के नेतृत्व में हम भारत की सीमा, सम्मान, स्वाभिमान से समझौता नहीं करेंगे।

बी. एल. संतोष

महाविकास आघाडी सरकार का हर एक कदम जैसे पालघर मॉब लिंचिंग या रिपब्लिक टीवी का मामला और ताजा समीत ठक्कर केस सरकार के ताबूत में एक और कील है। तानाशाही मानसिकता का यह गठजोड़ सत्ता का पूर्ण दुरुपयोग कर रहा है। कांग्रेस को पूरे देश को जवाब देना होगा।

थावरचंद गहलोत

वरिष्ठ नागरिकों के लिए राष्ट्रीय कार्य योजना संशोधित और निगमित। वरिष्ठ नागरिकों के लिए राष्ट्रीय हेल्प लाइन की स्थापना विचाराधीन हैं और इसे शीघ्र कार्यात्मक बनाया जाएगा।

देश की जनता ने दिया भाजपा को भरपूर आशीर्वाद

बिहार में श्री नीतीश कुमार द्वारा सातवीं बार मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के साथ-साथ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) राज्य में और अधिक सुदृढ़ होकर उभरा है। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा शुरू से ही कहते रहे हैं कि भाजपा और जदयू द्वारा जीती हुई सीटों की संख्या कितनी भी हो, मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ही होंगे। इस प्रतिबद्धता पर खरा उतरने के साथ श्री तारकिशोर प्रसाद एवं श्रीमती रेणु देवी ने बिहार के उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। प्रदेश की जनता का जनादेश प्राप्त कर राजग ने अपनी एकजुटता को पुनः प्रमाणित किया है, पहले से अधिक सुदृढ़ हुआ है तथा 'आत्मनिर्भर बिहार' का मार्ग प्रशस्त करते हुए जनता के प्रति समर्पण एवं अपनी सेवाभावी प्रतिबद्धता का एक उदाहरण प्रस्तुत किया है। यह जनता के प्रति दायित्वबोध, अटूट प्रतिबद्धता एवं जन-जन के लिए समर्पित सेवाभावी कार्य ही है जो बार-बार जनता के आशीर्वाद के रूप में चुनाव-दर-चुनाव राजग पर विजय के रूप में बरसता रहा है। बिहार में राजग की जीत प्रदेश की जनाकांक्षाओं की जीत है।

एक ओर जहां बिहार की जनता ने राजग को विजय का आशीर्वाद दिया, वहीं दूसरी ओर राजद-कांग्रेस-कम्युनिस्ट महागठबंधन को पूरी तरह से नकार दिया। यह एक विडंबना ही है कि हार को स्वीकार करने की जगह विपक्ष राजग घटकों को प्रलोभन देकर पिछले दरवाजे से सरकार बनाने की जुगत बिठा रहा था। इतना ही नहीं, 'महागठबंधन' के अंदर मचा घमासान भी अब जनता के सामने है जबकि राजद कांग्रेस पर हार का ठीकरा फोड़ने में लगी है। अपनी पुरानी गलतियों को सुधारने एवं जनाकांक्षाओं के अनुरूप अपने कार्यक्रम एवं नीति बनाने के स्थान पर विपक्ष अब भी वंशवाद, जातिवाद, तुष्टीकरण, भ्रष्टाचार एवं राजनीति के अपराधीकरण के अपने पुराने हथकंडों को ही बार-बार आजमा रहा है। उनके पास जनता के लिए न तो कोई कार्यक्रम है, न ही भविष्य के लिए कोई दृष्टि और जब भी बोलते हैं तब उनकी जनविरोधी एवं विकास विरोधी मानसिकता सामने आ जाती है। जनता इन पार्टियों को आत्ममंथन करने में असफल रहने के कारण बार-बार दंड दे रही है।

बिहार की जनता ने भाजपा कार्यकर्ताओं की कठोर मेहनत को अपना आशीर्वाद देते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अपनी दृढ़ आस्था व्यक्त की, वहीं देश के विभिन्न प्रदेशों में हुए उपचुनावों में देश की जनता ने भाजपा को भरपूर आशीर्वाद दिया है। देश अब 'आत्मनिर्भर भारत' के सपनों को साकार करने के लिए आगे चल पड़ा है।

जहां बिहार में 'महागठबंधन' संकटों से घिरा हुआ है, वहीं राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस को अपना अस्तित्व बचाने के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ रहा है। परंतु इसके बाद भी यह अत्यंत दुर्भाग्यजनक है कि जनभावनाओं का सम्मान करने के स्थान पर कांग्रेस निरंतर अपने ही पैरों पर कुल्हाड़ी मार रही है और यहां तक कि 'गुपकार गुट' जो जम्मू-कश्मीर में धारा-370 को वापस लाना चाहती है, उसे समर्थन देना चाहती है। यह लगभग हर राष्ट्रीय भावनाओं के न केवल विपरीत कार्य करती है, बल्कि अपनी राजनैतिक स्वार्थों की पूर्ति के लिए किसी भी स्तर तक गिरने से नहीं चूक रही है। हाल ही में अगस्ता-वेस्टलैंड हेलिकॉप्टर घोटाले में कांग्रेस के कई बड़े नेताओं के नाम उजागर होने से अब यह स्पष्ट है कि कांग्रेस लोकतंत्र विरोधी एवं सत्ता-केंद्रित वंशवादी एवं स्वार्थी राजनेताओं की पार्टी बनकर रह गई है।

आज भारत के जन-जन का प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा पर अटूट विश्वास है। कोविड-19 महामारी में जब विश्व के शक्तिशाली देश भी बुरी तरह से प्रभावित हुए, भारत ने न केवल व्यापक स्वास्थ्य अवसंरचना का निर्माण किया बल्कि यह भी सुनिश्चित किया कि गरीब से गरीब व्यक्ति भी भूखा न सोए। गरीब, महिला, वरिष्ठ नागरिक, दिव्यांग, किसान, प्रवासी मजदूर, छोटे उद्यमी, रेहड़ी-पटरी वाले, छोटे उद्योग, कृषि क्षेत्र को भारी राहत तथा हर क्षेत्र में व्यापक सुधार- इतिहास में ऐसे उदाहरण के रूप में अंकित किए जाएंगे कि कैसे चुनौतियों को अवसर में परिवर्तित किया जाता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सुदृढ़ नेतृत्व से पूरे देश में जनता ने प्रेरित होकर व्यापक सेवा कार्य किए तथा भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा के दिशानिर्देशों में भाजपा के करोड़ों कार्यकर्ताओं ने 'सेवा ही संगठन' के मंत्र पर कार्य करते हुए देश के कोने-कोने में राहत पहुंचाई। जहां बिहार की जनता ने भाजपा कार्यकर्ताओं की कठोर मेहनत को अपना आशीर्वाद देते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अपनी दृढ़ आस्था व्यक्त की, वहीं देश के विभिन्न प्रदेशों में हुए उपचुनावों में देश की जनता ने भाजपा को भरपूर आशीर्वाद दिया है। देश अब 'आत्मनिर्भर भारत' के सपनों को साकार करने के लिए आगे चल पड़ा है।

shivshakti@kamalsandesh.org

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर के नेतृत्व में हिमाचल प्रदेश में चहुंओर विकास हो रहा है: जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा का हिमाचल प्रदेश प्रवास के दौरान लुहनू मैदान, बिलासपुर में पार्टी कार्यकर्ताओं, पार्टी पदाधिकारियों एवं स्थानीय जनता द्वारा भव्य स्वागत किया गया

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा का दो दिवसीय प्रवास के दौरान 21 नवंबर 2020 को हिमाचल प्रदेश पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री जयराम ठाकुर, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री सुरेश कश्यप सहित प्रदेश के मंत्रीगण, सांसदों व युवा मोर्चा के अध्यक्षों ने बिलासपुर के लुहनू मैदान में आयोजित अभिनंदन कार्यक्रम में पुष्पगुच्छ देकर श्री नड्डा का स्वागत किया। भारी संख्या में स्थानीय जनता और हजारों की संख्या में पार्टी कार्यकर्ता भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। लुहनू मैदान में आयोजित कार्यक्रम में कोरोना संक्रमण को देखते हुए सभी आवश्यक गाइडलाइंस का पालन किया गया। श्री नड्डा के स्वागत में 'भारत माता की जय' के उद्घोष से पूरा बिलासपुर गूंज उठा।

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि बिहार विधान सभा और उपचुनावों के कारण मेरा हिमाचल प्रदेश आना संभव नहीं हो सका लेकिन बिहार सहित देश के 11 राज्यों में हुए उपचुनावों और उसमें भाजपा के शानदार प्रदर्शन के बाद मैं जीत की खुशखबरी के साथ हिमाचल प्रदेश आया हूं। मुझे आप सबसे गले मिलने का मन कर रहा है लेकिन कोरोना संकट काल में मैं ऐसा कर पाने में असमर्थ हूं। मैं आपके असीम प्यार और भावनाओं के लिए आप सब को हृदय से धन्यवाद देता हूं। उन्होंने कहा कि उत्साह बढ़े, उमंग का प्रवाह बढ़े लेकिन कभी भी दो गज की दूरी ना घटे। हिमाचल प्रदेश के निवासियों ने सोशल डिस्टेंसिंग का बहुत बढ़िया उदाहरण पेश किया है। हमें इसी तरह कोरोना की लड़ाई लड़नी है।

श्री नड्डा ने स्थानीय जनता और पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह आप कार्यकर्ताओं का तप है जिसके बल पर मैं आज इतने बड़े मुकाम तक पहुंचा हूं और यह मेरा सौभाग्य है कि आप सबमें एक भी ऐसा व्यक्ति नहीं है जिनके साथ मुझे काम करने का अवसर नहीं मिला। मैं परिश्रम की पराकाष्ठा करने वाले आप सभी कार्यकर्ताओं के साथ हिमाचल में पगडंडियों पर चला हूं

और हम सब जनता के दुःख-दर्द में भागीदार बने हैं।

श्री नड्डा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सरकार बनाने के लिए नहीं, अपितु मां भारती की सेवा और गांव-गरीब-किसान के कल्याण के लिए सत्ता में आती है। उन्होंने बिहार विधान सभा चुनाव में जीत के बाद पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के उद्बोधन को याद करते हुए कहा कि किस तरह प्रधानमंत्री जी ने मंच से नौजवानों का आह्वान करते हुए कहा था कि "नड्डा जी, आप आगे बढ़ो, हम आपके साथ हैं।" उन्होंने प्रधानमंत्री श्री मोदी के इस उद्गार के लिए उन्हें हार्दिक धन्यवाद दिया।

श्री नड्डा ने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव केवल बिहार का चुनाव नहीं था, बल्कि इसके साथ-साथ मध्य प्रदेश, गुजरात, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, मणिपुर और तेलंगाना में भी उपचुनाव हुए थे। इससे पहले लद्दाख हिल काउंसिल के भी चुनाव संपन्न हुए थे। इन सभी चुनावों में कश्मीर से लेकर कच्छ तक और बिहार से लेकर मणिपुर तक हर जगह कमल खिला और जनता ने हमें आशीर्वाद देकर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी में एक बार पुनः अपनी अटूट आस्था का परिचय दिया। यह विजय कोरोना काल में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कोविड मैनेजमेंट और इस संक्रमण से देशवासियों को बचाने के लिए उठाये गए क़दमों और बनाई गई नीतियों पर भी जनता की मुहर है।

श्री नड्डा ने कहा कि कोविड-19 लॉकडाउन के समय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जहां एक ओर अर्थव्यवस्था की मजबूती के लिए 20 लाख करोड़ रुपये के आत्मनिर्भर भारत योजना की शुरुआत की तो वहीं दूसरी ओर उन्होंने 1.70 लाख करोड़ रुपये से देश के गांव, गरीब, किसान, बुजुर्ग, महिलाओं, दलितों, शोषितों, वंचितों और प्रवासी मजदूरों के कल्याण के लिए गरीब कल्याण योजना को भी अमलीजामा पहनाया। प्रवासी मजदूरों को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लगभग 50 हजार करोड़ रुपये की लागत से गरीब कल्याण रोजगार योजना भी शुरू की गई। कोरोना के कारण उत्पन्न स्थिति में देश का कोई गरीब भूखा न सोने पाए, इसकी चिंता करते हुए हमने देश के लगभग 80 करोड़ लोगों के लिए इस वर्ष मार्च महीने से लेकर नवंबर तक मुफ्त राशन की व्यवस्था की। कोविड-19 संकट काल के समय प्रधानमंत्री जी ने डीबीटी के माध्यम से 20 करोड़ बहनों के खातों में पांच-पांच सौ रुपये के तीन किस्तों के रूप में 1500 रुपये उनके एकाउंट में भेजे तो बुजुर्गों, विधवाओं और दिव्यांगों को भी एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी गई। देश की 8 करोड़ से अधिक गरीब महिलाओं को लॉकडाउन के समय तीन महीने में तीन गैस सिलिंडर मुफ्त उपलब्ध करवाए गए। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने भी अपनी जान की परवाह न करते हुए लॉकडाउन की स्थिति में लगभग 25 करोड़ से अधिक लोगों तक फ़ूड पैकेट्स और राशन किट्स पहुंचाए। केंद्र सरकार, भाजपा की राज्य सरकारों और भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने इस संकट काल में हर जरूरतमंदों तक मदद पहुंचाई।

- **कोरोना के कारण उत्पन्न स्थिति में देश का कोई गरीब भूखा न सोने पाए, इसकी चिंता करते हुए हमने देश के लगभग 80 करोड़ लोगों के लिए इस वर्ष मार्च महीने से लेकर नवंबर तक मुफ्त राशन की व्यवस्था की।**

- **हिमाचल प्रदेश में एम्स, मदर एंड चाइल्ड हॉस्पिटल, सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल और पीजीआई दिया।**

श्री नड्डा ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में डबल इंजन की सरकार चल रही है जो हिमाचल के विकास के लिए संकल्पित है। आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री जयराम ठाकुर के नेतृत्व में हिमाचल प्रदेश में चहुंओर विकास हो रहा है। प्रधानमंत्री जी ने हिमाचल प्रदेश में एम्स, मदर एंड चाइल्ड हॉस्पिटल, सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल और पीजीआई दिया।

श्री नड्डा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी परिवार के सभी कार्यकर्ता ईमानदारी से कार्य करते हैं और उनके त्याग एवं उनकी तपस्या के बल पर भारतीय जनता पार्टी और हमारी विचारधारा और मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि जब भी मुझे पूरे देश में कार्य करने का मौका मिलता है तो मैं हिमाचल प्रदेश के प्रत्येक कार्यकर्ताओं का स्मरण करता हूं, आप सब मेरी शक्ति हैं। हम सब दिन-रात काम कर हिमाचल में भारतीय जनता पार्टी की जयराम ठाकुर सरकार को सशक्त और मजबूत बनाएंगे। उन्होंने कहा कि यह मेरा हिमाचल प्रदेश का संक्षिप्त दौरा है। मैं पुनः विस्तृत प्रवास पर हिमाचल प्रदेश वापस आऊंगा और आप सबसे मिलूंगा। ■

बिहार में नई राजग सरकार ने ली शपथ

बिहार में नई राजग सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 16 नवंबर को राजभवन में आयोजित किया गया। श्री नीतीश कुमार ने सातवीं बार और लगातार चौथी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इसके साथ ही भाजपा के दो सदस्यों श्री तारकिशोर प्रसाद और श्रीमती रेणु देवी ने उप मुख्यमंत्रियों के रूप में शपथ ली।

उपमुख्यमंत्रियों सहित कुल 14 मंत्रियों ने नए मंत्रिमंडल में शपथ ली, जिनमें से पांच जद (यू) से, सात भाजपा से और एक-एक हम (एस) और वीआईपी पार्टी का सदस्य है।

श्री नीतीश कुमार और दो उप मुख्यमंत्री श्री तारकिशोर प्रसाद और श्रीमती रेणु देवी के साथ 12 मंत्रियों को राज्यपाल श्री फागु चौहान ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) श्री बी. एल. संतोष, पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और बिहार प्रदेश भाजपा के प्रभारी श्री भूपेन्द्र यादव, भाजपा बिहार विस चुनाव प्रभारी एवं महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस और केंद्र एवं राज्य के कई भाजपा नेता शामिल हुए।

भाजपा से मंत्रीमंडल में शामिल किए गए अन्य लोगों में श्री मंगल पांडे, श्री अमरेन्द्र प्रताप सिंह, पूर्व डिप्टी स्पीकर श्री रामप्रीत पासवान, श्री जीवेश कुमार और श्री रामसूरत राय शामिल थे। जनता दल (यू) से मंत्री के रूप में शामिल होने वाले पूर्ववर्ती राजग सरकार में पूर्व विस अध्यक्ष श्री विजय कुमार चौधरी, श्री बिजेंद्र प्रसाद यादव, श्री अशोक चौधरी, श्री मेवालाल चौधरी और श्रीमती शीला कुमारी हैं। हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) के श्री संतोष कुमार सुमन और विकासशील इंसान पार्टी के अध्यक्ष श्री मुकेश सहानी को भी नए मंत्रिमंडल में मंत्री के रूप में शामिल किया गया।

ध्यातव्य है कि बिहार विधानसभा चुनाव 2020 के नतीजे 10 नवंबर को घोषित किए गए। तीन चरणों में हुए मतदान के बाद राजग ने एक आसान जीत हासिल की। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 15 नवंबर को सर्वसम्मति से श्री तारकिशोर प्रसाद को विधायक दल का नेता चुना। बेतिया से विधायक श्रीमती रेणु

तारकिशोर प्रसाद, उपमुख्यमंत्री

64 वर्षीय श्री तारकिशोर प्रसाद कटिहार से चौथी बार विधायक चुने गए हैं। विनम्र स्वभाव के धनी, श्री प्रसाद ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के एक कार्यकर्ता के रूप में सार्वजनिक सक्रियता प्रारंभ किया। 2005 में, उन्होंने अपना पहला विधानसभा चुनाव भाजपा प्रत्याशी के रूप में लड़ा और भाजपा के टिकट पर जीते। तब से, वह 2010, 2015 और 2020 में लगातार विधायक चुने गए हैं।

देवी को विधायक दल के उप नेता के तौर पर चुना गया। इससे पहले श्री नीतीश कुमार को बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के नेता के रूप में चुना गया, जिसकी घोषणा केंद्रीय रक्षा मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री राजनाथ सिंह ने की।

रेणु देवी, उपमुख्यमंत्री

भाजपा की पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीमती रेणु देवी बिहार की पहली महिला उपमुख्यमंत्री बनी हैं। एक मध्यमवर्गीय परिवार में जन्मी और पली-बढ़ी श्रीमती रेणु देवी अपनी मां के रा.स्व.संघ से जुड़ाव से प्रभावित होकर दुर्गावाहिनी में सक्रिय हो गईं। बाद में, वह 1988 में भाजपा महिला मोर्चा में शामिल हो गईं। अगले साल, उन्हें चंपारण क्षेत्र का दायित्व दिया गया। उन्हें 1993 और 1996 में दो बार मोर्चा के बिहार प्रदेश अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया। चार बार की विधायक श्रीमती रेणु देवी ने 2005 और 2009 के बीच बिहार राज्य सरकार में खेल, कला और संस्कृति मंत्री के रूप में भी काम किया। वह 2014 और 2020 के बीच भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी रहीं।

"बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के लिए श्री नीतीश कुमार को बधाई। मैं उन सभी लोगों को भी बधाई देता हूं जिन्होंने बिहार सरकार में मंत्री पद की शपथ ली। बिहार की प्रगति के लिए राजग परिवार मिलकर काम करेगा। मैं बिहार के कल्याण के लिए केंद्र की ओर से हर संभव सहायता का आश्वासन देता हूं।"

— **नरेन्द्र मोदी,** प्रधानमंत्री

"नीतीश कुमार जी और सभी मंत्रियों को बधाई। मुझे विश्वास है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में, राजग राज्य में किसान, महिला, युवा और विकासोन्मुख सरकार देगा। मैं बिहार के लोगों को विश्वास दिलाता हूं कि राजग उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। श्री तारकिशोर प्रसाद और श्रीमती रेणु देवी को उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण पर बधाई और उन सभी को बधाई जिन्होंने मंत्रियों के रूप में शपथ ली।"

— **जगत प्रकाश नड्डा,** भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष

"श्री नीतीश कुमार जी को पुन: बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के लिए बधाई। उपमुख्यमंत्रियों श्री तारकिशोर प्रसाद और श्रीमती रेणु देवी के साथ मंत्री पद की शपथ लेने वाले सभी को बधाई। मुझे भरोसा है कि मोदी जी और नीतीश जी आत्मनिर्भर बिहार के सपने को पूरा करेंगे।"

— **अमित शाह,** केन्द्रीय गृहमंत्री

"राजग विधायक दल के नेता चुने जाने पर श्री नीतीश कुमार को बधाई। साथ ही, श्री तारकिशोर प्रसाद और श्रीमती रेणु देवी को भाजपा के नेता और उप नेता के रूप में चुने जाने पर बधाई। उनके नेतृत्व में बिहार में विकास का एक नया दौर शुरू होगा।"

— **बीएल संतोष,** राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन)

भाजपा के कार्यालय केवल ढांचा या भवन नहीं हैं, बल्कि ये तो कार्यकर्ताओं को संस्कारित करने के केंद्र हैं: जगत प्रकाश नड्डा

ओडिशा के छह नए जिला कार्यालयों – अनुगुल, बारगढ़, सुंदरगढ़, बारीपाड़ा, क्योंझर और ढेंकनाल का उद्घाटन

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 17 नवंबर 2020 को पार्टी के केंद्रीय कार्यालय से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से ओडिशा के छह नए जिला कार्यालयों - अनुगुल, बारगढ़, सुंदरगढ़, बारीपाड़ा, क्योंझर और ढेंकनाल का उद्घाटन किया और विश्वास व्यक्त किया कि ये कार्यालय कार्यकर्ताओं को संवर्धित करने में बेहतर भूमिका निभाते हुए पार्टी और जनता के बीच सेतु का काम करेंगे। केंद्रीय कार्यालय में मंच पर श्री नड्डा के साथ केंद्रीय मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान, केन्द्रीय मंत्री श्री प्रताप सारंगी, पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री बैजयंत पांडा एवं पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. संबित पात्रा उपस्थित थे जबकि ओडिशा से प्रदेश अध्यक्ष श्री समीर मोहंती, प्रदेश में नेता प्रतिपक्ष श्री प्रदीप नायक, कार्यालय निर्माण संयोजक एवं राज्य के पार्टी कोषाध्यक्ष श्री सुदर्शन गोयल, कई प्रदेश महामंत्री उपस्थित थे। पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री श्री अरुण सिंह, राष्ट्रीय सह महामंत्री (संगठन) श्री सौदान सिंह, वरिष्ठ नेता श्री जुएल उरांव, श्री सुरेश पुजारी और श्री बिश्वेश्वर टुडू भी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से इस उद्घाटन कार्यक्रम से जुड़े।

- **आज हमें यह कहते हुए गर्व की अनुभूति हो रही है कि लगभग 400 से अधिक जिला कार्यालय बन कर तैयार हो गए हैं, 200 जिला कार्यालयों का निर्माण प्रगति पर है और बाकी जिलों में भी इसकी शुरुआत हो चुकी है।**
- **यह केवल और केवल भारतीय जनता पार्टी है जिसने कार्यालय निर्माण को प्राथमिकता देकर देश के हर जिले में पार्टी के कार्यालय की नींव रखी है।**

श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में पार्टी के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने देश के प्रत्येक जिले में पार्टी कार्यालय के निर्माण का बीड़ा उठाया था और आज हमें यह कहते हुए गर्व की अनुभूति हो रही है कि लगभग 400 से अधिक जिला कार्यालय बन कर तैयार हो गए हैं, 200 जिला कार्यालयों का निर्माण प्रगति पर है और बाकी जिलों में भी इसकी शुरुआत हो चुकी है। यह केवल और केवल भारतीय जनता पार्टी है जिसने कार्यालय निर्माण को प्राथमिकता देकर देश के हर जिले में पार्टी के कार्यालय की नींव रखी है। ये सभी कार्यालय आधुनिकतम तकनीक और सभी आवश्यक व्यवस्थाओं से सुसज्जित हैं। मैं ओडिशा की कार्यालय निर्माण समिति को इसके लिए हार्दिक बधाई देता हूं। ये कार्यालय केवल ढांचा या भवन नहीं हैं, बल्कि ये तो कार्यकर्ताओं को संस्कारित करने के केंद्र हैं। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि जब पार्टी कार्यालय के बजाय घरों से चलती है तो परिवार की पार्टी बन जाती है लेकिन जो पार्टी कार्यालय से संचालित होती है तो वहां पार्टी ही परिवार बन जाता है। भारतीय जनता पार्टी आज यदि दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनी है तो इसके पीछे पार्टी की वैचारिक पृष्ठभूमि और संस्कार का सबसे बड़ा योगदान है। कार्यालय में कार्यकर्ता पार्टी के प्रति समर्पित होकर काम करने की प्रेरणा पाते हैं।

अभी हाल ही में संपन्न बिहार विधान सभा चुनाव और देश के कई राज्यों में हुए उपचुनावों की चर्चा करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि बिहार विधान सभा चुनाव और 59 सीटों पर हुए उपचुनाव में बिहार सहित समग्र राष्ट्र की जनता ने भारतीय जनता पार्टी को भरपूर आशीर्वाद देकर देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अटूट आस्था और विश्वास का परिचय दिया। मणिपुर से लेकर गुजरात तक और कर्नाटक से लेकर लद्दाख तक देश की जनता ने भाजपा में विश्वास व्यक्त किया। बिहार में हमारा स्ट्राइक रेट सबसे अधिक रहा। भाजपा ने 110 सीटों पर चुनाव लड़ते हुए 74 पर जीत दर्ज की। कार्यकर्ताओं ने जिस तरह समर्पित भाव से काम किया और जनता ने जिस तरह से भाजपा का समर्थन किया, इसके लिए मैं उन्हें साधुवाद देता हूं। चुनाव में बिहार की जनता ने तय कर दिया कि अब विकास राज चलेगा, गुंडाराज नहीं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जातिवाद, परिवारवाद और तुष्टिकरण की राजनीति का अंत कर 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' की नई संस्कृति विकसित की है। भाजपा को आशीर्वाद देकर देश की जनता ने कोविड मैनेजमेंट और लॉकडाउन के दौरान प्रवासी मजदूरों की समस्या पर मोदी सरकार की नीति पर

भी मुहर लगाई है।

श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कोविड के खिलाफ देश को साथ लेकर लड़ाई लड़ी है। अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में भी कोविड मैनेजमेंट एक बहुत बड़ा मुद्दा रहा। दुनिया के बड़े-बड़े देश अच्छी स्वास्थ्य व्यवस्थाओं के बावजूद अपने आपको जहां असहाय पा रहे थे, वहीं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने समय पर साहसिक निर्णय लेते हुए न केवल देश को सुरक्षित किया बल्कि इससे लड़ने के लिए भी देश को एकजुट किया। आज हमारी टेस्टिंग फैसिलिटी 15 लाख प्रतिदिन पहुंच गई है। पर्याप्त संख्या में आज डेडिकेटेड कोविड बेड्स हैं, आज वेंटीलेटर उत्पादन में भी हम आत्मनिर्भर हो रहे हैं और पीपीई किट्स का तो हम आज निर्यात कर रहे हैं।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत 20 लाख करोड़ रुपये की निधि की व्यवस्था की गई जिसमें से कृषि इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए एक लाख करोड़ रुपये और एमएसएमई के लिए तीन लाख करोड़ रुपये आवंटित किये गए। गरीब कल्याण रोजगार योजना के तहत ओडिशा के गंजम, बालासोर, बोलांगिर और भद्रक जिले में प्रवासी मजदूरों को रोजगार दिए जाने की मुहिम शुरू की गई है।

- **ओडिशा में पार्टी कार्यकर्ताओं ने लाखों राशन पैकेट्स और राशन किट्स का वितरण किया, 60 हजार से अधिक सैनिटाइजर और 7 लाख से अधिक फेस कवर का वितरण किया गया।**
- **केंद्र की भाजपा सरकार ने ओडिशा में छः नए मेडिकल कॉलेज खोले हैं जो राज्य के विकास की नई कहानी कहते हैं।**

श्री नड्डा ने कहा कि लॉकडाउन के दौरान जब सभी पार्टियां लॉक्ड थीं, तब केवल और केवल भारतीय जनता पार्टी थी जिसके एक-एक कार्यकर्ता ने अपनी-अपनी जान की परवाह किये बगैर जरूरतमंदों की सेवा में अपने आप को समर्पित कर दिया। ओडिशा में पार्टी कार्यकर्ताओं ने लाखों राशन पैकेट्स और राशन किट्स का वितरण किया, 60 हजार से अधिक सैनिटाइजर और 7 लाख से अधिक फेस कवर का वितरण किया गया। पार्टी कार्यकर्ताओं ने संपर्क अभियान और वर्चुअल रैलियों का सफलतापूर्वक आयोजन किया।

श्री नड्डा ने कहा कि ओडिशा का विकास सदैव ही हमारी प्राथमिकता में रहा है। स्वास्थ्य मंत्री रहते हुए मैंने ओडिशा में आयुष्मान भारत को लागू करने के लिए अथक प्रयास किये लेकिन ओडिशा की बीजद सरकार ने इसे राज्य में लागू नहीं होने दिया। मैं आज भी ओडिशा सरकार से आयुष्मान भारत को प्रदेश में लागू करने का आग्रह करता हूं। ओडिशा सरकार को इस पर विचार करना चाहिए। ओडिशा में लगभग 9,000 करोड़ रुपये की लागत से 451 किमी लंबी दीघा-गोपालपुर कोस्टल हाइवे का निर्माण किया जा रहा है, 3791 करोड़ रुपये की लागत से खोर्दा - बोलांगिर न्यू लाइन बनाया जा रहा है, 4500 करोड़ रुपये की लागत से कटक-अंगुल-संबलपुर हाइवे का निर्माण हो रहा है और भारतमाला प्रोजेक्ट के तहत भुबनेश्वर में 68 किमी लंबे रिंग रोड का निर्माण हो रहा है। 11,300 करोड़ रुपये की लागत से पारादीप में गैसीफिकेशन प्लांट पर काम हो रहा है जो ओडिशा के आर्थिक जगत के लिए बहुत बड़ी पहल है। यह भारतीय जनता पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं की जिम्मेवारी है कि हम ओडिशा के विकास के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों को राज्य के घर-घर तक लेकर जाएं।

श्री नड्डा ने कहा कि हमें ग्रासरूट लेवल तक केंद्र की मोदी सरकार के काम काज और ओडिशा के विकास के लिए उनके द्वारा उठाये गए क़दमों को लेकर जाना है। केंद्र की भाजपा सरकार ने ओडिशा में छः नए मेडिकल कॉलेज खोले हैं जो राज्य के विकास की नई कहानी कहते हैं। पार्टी ने राज्य में अपनी जड़ों को और मजबूत किया है। राज्य की 33 ट्राइबल सीटों में से 11 पर भाजपा ने जीत दर्ज की है और यहां वोट प्रतिशत भी 21 प्रतिशत से बढ़ कर 38 प्रतिशत तक पहुंचा है। इसके साथ ही विधान सभा चुनावों में भी भाजपा का वोट प्रतिशत 18 प्रतिशत से बढ़ कर 32 प्रतिशत पर आ गया है जो इस बात का संकेत है कि ओडिशा में भाजपा मंजिल के बहुत ही नजदीक है। बहुत जल्द ही ओडिशा में भारतीय जनता पार्टी की सरकार होगी। ■

सांगठनिक विस्तार के लिए भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष के 120 दिन के विस्तृत राष्ट्रीय प्रवास कार्यक्रम की घोषणा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा 05 दिसंबर 2020 (संभावित) से देश भर में 120 दिन के विस्तृत राष्ट्रीय प्रवास कार्यक्रम पर निकलेंगे। वे उत्तराखंड से इसकी शुरुआत करेंगे। विस्तृत राष्ट्रीय प्रवास के तहत वे देश के सभी राज्यों में प्रवास करेंगे और पार्टी की मज़बूती एवं संगठन विस्तार के लिए कार्य करेंगे।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव श्री अरुण सिंह ने 22 नवंबर 2020 को पार्टी के नई दिल्ली स्थित केंद्रीय कार्यालय में आयोजित प्रेस-वार्ता को संबोधित किया और उन्होंने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा के विस्तृत राष्ट्रीय प्रवास के कार्यक्रम की विस्तार से जानकारी दी। श्री सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा दिसंबर के प्रथम सप्ताह में 05 दिसंबर (संभावित) से उत्तराखंड प्रवास से 120 दिन के विस्तृत राष्ट्रीय प्रवास कार्यक्रम की शुरुआत करेंगे। वे इस कार्यक्रम के तहत देश के लगभग सभी राज्यों का दौरा कर देश भर में पार्टी की मज़बूती और सांगठनिक विस्तार के कार्यक्रम की शुरुआत करेंगे। कार्यक्रम के लिए कोविड-19 गाइडलाइंस के सभी नियमों का अनुपालन किया जाएगा। प्रत्येक कार्यक्रम व बैठक स्थल पर टेम्प्रेचर देखने के यंत्र, फेस मास्क, सैनिटाइजर इत्यादि की समुचित व्यवस्था होगी।

श्री सिंह ने कहा कि श्री नड्डा के विस्तृत राष्ट्रीय प्रवास कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य संगठनात्मक सुदृढ़ता, टीम भावना का विकास, भाजपा की राज्य सरकारों के लिए सकारात्मक छवि का निर्माण, पार्टी की गतिविधियों का व्यवस्थितिकरण, सार्वजनिक कार्यक्रमों के माध्यम से जन-जागरुकता, 2024 चुनाव पर रणनीति का निर्माण, संवाद और पार्टी की वैचारिक दृष्टिकोण की स्पष्टता पर बल देना है। श्री नड्डा अपने विस्तृत प्रवास कार्यक्रम के तहत लगभग हर प्रदेश में प्रेस वार्ता करेंगे। वे हर प्रदेश में बूथ अध्यक्ष से ऊपर तक के प्रदेश के सभी कार्यकर्ताओं के साथ वर्चुअल बैठक करेंगे। साथ ही, वे हर प्रदेश में कम से कम एक बूथ की समिति और किसी एक मंडल की व्यवस्थित बैठक भी करेंगे। श्री नड्डा अपने प्रवास में हर प्रदेश में सोशल मीडिया वालंटियर मीटिंग भी करेंगे। प्रदेशों में प्रवास के दौरान आदरणीय राष्ट्रीय अध्यक्ष जी समाज के प्रबुद्ध नागरिकों के साथ भी चर्चा करेंगे।

श्री सिंह ने कहा कि प्रतिबद्धता पर आधारित संगठन के विस्तार और निर्माण पर भी इस प्रवास के दौरान गहन चर्चा होगी। इस प्रवास कार्यक्रम में 2024 में होने वाले चुनाव पर भी चर्चा होगी। 2019 के लोकसभा चुनाव में हमने जो सीटें नहीं जीती हैं, उस पर विशेष रणनीति बनाई जायेगी। इस प्रवास कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष जी पार्टी के जो वरिष्ठ

पदाधिकारियों, एनडीए गठबंधन के घटक दलों के साथी तथा प्रदेश के सामाजिक क्षेत्र में प्रभाव रखने वाले व्यक्तियों के साथ भी संवाद करेंगे। श्री नड्डा के विस्तृत प्रवास में मुख्य फोकस संगठन विस्तार, कार्यकर्ता संवाद और बूथ स्तर पर पार्टी की मजबूती पर रहेगा। केरल, पश्चिम बंगाल, असम, पुदुच्चेरी और तमिलनाडु जैसे चुनावी राज्यों पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इस कार्यक्रम का एक और प्रमुख उद्देश्य बूथ स्तर पर पार्टी की मज़बूती और पार्टी की विचारधारा को जन-स्वीकृति दिलाने के साथ-साथ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' के मूल-मंत्र पर चलते हुए चलाये जा रहे गरीब-कल्याण योजनाओं को भी समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है।

- **राष्ट्रीय प्रवास कार्यक्रम का उद्देश्य संगठनात्मक सुदृढ़ता, वैचारिक स्पष्टता और भाजपा राज्य सरकारों के लिए सकारात्मक छवि का निर्माण करना है।**

श्री सिंह ने कहा कि श्री नड्डा के विस्तृत प्रवास कार्यक्रम को कई हिस्सों में बांटा गया है। संगठन की दृष्टि से बड़े राज्यों में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष कम से कम तीन दिन और छोटे राज्यों में कम से कम दो दिन का प्रवास करेंगे। वे प्रवास के दौरान हर प्रदेश में प्रदेश के पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से मुलाक़ात करेंगे। साथ ही, वे इन राज्यों में पार्टी की प्रगति और विभिन्न मोर्चे एवं गठित विभागों की कार्ययोजना, कार्यालय निर्माण, कार्यालयों के आधुनिकीकरण, ई-लाइब्रेरी, डॉक्यूमेंटेशन, बूथ स्तर पर पार्टी के निर्धारित कार्यक्रमों, कोर कमिटी के गठन व बैठकों एवं बूथ के कार्यक्रमों आदि की समीक्षा भी करेंगें।ऐसे प्रदेशों, जहां भाजपा विपक्ष में है, वहां स्थानीय स्तर पर जनता की समस्याओं को लेकर आंदोलन की रूप-रेखा तैयार करने में भी माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष कार्यकर्ताओं को सुझाव देंगे। वे प्रदेशों की कोर कमिटियों के साथ भी बैठक करेंगे और वर्तमान राजनैतिक स्थिति एवं आगामी रणनीति बनाने पर चर्चा करेंगे। ■

मोदी सरकार चट्टान की तरह तमिलनाडु सरकार के साथ खड़ी है: अमित शाह

केन्द्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह के तमिलनाडु प्रवास के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। श्री शाह ने पद-यात्रा कर जनाभिवादन स्वीकार किया। प्रदेश अध्यक्ष श्री मुरुगन भी उनके साथ उपस्थित रहे।

केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने 21 नवंबर को तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में करीब 70 हजार करोड़ रुपये की विभिन्न आधारभूत परियोजनाओं का उदघाटन किया और आधारशिला रखी। श्री शाह ने 61,843 करोड़ रुपये की चेन्नई मेट्रो रेल परियोजना के दूसरे चरण की आधारशिला रखी। साथ ही, उन्होंने तिरूवल्लूर जिले के थेरवाईकंडिगई (Theravaikandigai) में नवनिर्मित जलाशय भी राष्ट्र को समर्पित किया।

श्री शाह ने कहा कि भारत के इतिहास में तमिलनाडु और तमिल संस्कृति सबसे पुरानी संस्कृतियों में से एक है, जिसने हमेशा से दुनिया में भारत को यश दिलाया और भारत के नाम को रोशन किया। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि चाहे संस्कृति हो, चाहे तत्व ज्ञान, विज्ञान, कला, शिल्प शास्त्र और स्वतंत्रता आंदोलन, तमिलनाडु के योगदान को कोई भुला नहीं सकता। मैं इस महान धरती को बार-बार प्रणाम करता हूं।

श्री शाह ने कहा कि केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार चट्टान की तरह तमिलनाडु सरकार के साथ खड़ी है और राज्य के विकास के लिए पूरी तरह से कटिबद्ध है। आज जिन परियोजनाओं का लोकार्पण और भूमि पूजन हुआ उनके माध्यम से तमिलनाडु के विकास को नई गति देने का काम शुरू हुआ है। हम बड़ी विनम्रता के साथ कहते हैं, हमने तमिलनाडु को जो योजनाएं और रुपया दिया, वह तमिलनाडु के लिए कोई मदद नहीं है। यह तमिलनाडु का अधिकार है, जो अभी तक नहीं मिलता था वह अधिकार नरेन्द्र मोदी जी ने उन तक पहुंचाया है। जब केन्द्र में मनमोहन सिंह सरकार ने 2013-14 में अंतिम बार बजट पेश किया था तो उन्होंने तमिलनाडु के लिए 16,155 करोड़ रुपये का प्रावधान किया था जबकि हाल में मोदी सरकार ने पेश किए गए अपने बजट में राज्य के लिए 32,850 करोड़ रुपये दिया गया और योजनाओं का पैसा इससे अलग था।

तमिलनाडु के लिए डिफेंस कोरिडोर

श्री शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने तमिलनाडु के लिए डिफेंस कोरिडोर देने के साथ ही सागरमाला के तहत राज्य में बंदरगाह और सड़क परियोजनाओं के विकास के लिए 2.25 लाख करोड़ रुपये के निवेश को मंजूरी दी है। साथ ही ईस्ट कोस्ट रोड के लिए 13,700 करोड़ रुपये दिए गए हैं। मदुरई में 1,264 करोड़ रुपये के निवेश से एम्स का शिलान्यास मोदी जी ने कर दिया है। 13,795 करोड़ रुपये की लागत से ईस्ट कोस्ट रोड का काम शुरू हो चुका है। भारत के महान राष्ट्रपति एपीजी अब्दुल कलाम के नाम पर मेमोरियल का शुभारम्भ मोदी जी ने तमिलनाडु की धरती पर किया है।

गृह मंत्री ने कहा कि तमिलनाडु के 1.42 करोड़ ग्रामीण परिवारों में से 15 फीसदी परिवारों के पास ही पेयजल कनेक्शन था, अब मोदी जी एक नई योजना लेकर आए हैं। इसके तहत 2024 तक हर घर में पानी का कनेक्शन पहुंचाना है। मैं तमिलनाडु सरकार का अभिनंदन करना चाहता हूं कि उन्होंने 1.20 करोड़ परिवारों को 2024 तक 100 फीसदी लोगों तक पीने का पानी पहुंचाने की योजना बनाई है और उसमें राज्य के 9 लाख ग्रामीणों तक पानी पहुंचाने का काम कोविड के बावजूद कर दिया गया है।

तमिलनाडु में ब्लू क्रांति की काफी संभावनाएं

ब्लू क्रांति का जिक्र करते हुए श्री शाह ने कहा कि तमिलनाडु में इसके लिए काफी संभावनाएं हैं। भारत सरकार ने अलग से मत्स्य पालन विभाग की शुरुआत की। इसके लिए 20 हजार करोड़ रुपये की लागत से एक ब्लू रिवॉल्यूशन फंड की स्थापना की है। देश में मछली उत्पादन में तमिलनाडु चौथे पायदान पर हैं। लगभग 4,341 करोड़ रुपये का निर्यात भी होता है और 88 हजार एमटी मछली का उत्पादन होता है। ■

भाजपा राष्ट्रीय मोर्चो के प्रभारियों की नियुक्ति

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 13 नवंबर 2020 को संगठनात्मक दृष्टि से राष्ट्रीय मोर्चो के प्रभारियों की नियुक्ति की, जो निम्नलिखित हैं-

श्री तरुण चुग
युवा मोर्चा

श्री भूपेन्द्र यादव
किसान मोर्चा

श्रीमती डी. पुरंदेश्वरी
अल्पसंख्यक मोर्चा

श्री अरुण सिंह
अन्य पिछड़ा वर्ग मोर्चा

श्री सी.टी. रवि
अनुसूचित जाति मोर्चा

श्री दुष्यंत कुमार गौतम
महिला मोर्चा

श्री दिलीप सैकिया
अनुसूचित जनजाति मोर्चा

ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कॉरपोरेशन चुनाव हेतु चुनाव प्रभारियों की नियुक्ति

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 15 नवंबर 2020 को आगामी ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कॉरपोरेशन जीएचएमसी के चुनावों हेतु निम्नलिखित नियुक्ति की—

प्रभारी : श्री भूपेन्द्र यादव, राष्ट्रीय महामंत्री, भाजपा

सह प्रभारी : 1. डॉ. सुधाकर, स्वास्थ्य एवं वैद्यकीय शिक्षा मंत्री, कर्नाटक
2. श्री आशीष शेल्लार, मुख्य सचेतक, महाराष्ट्र विधानसभा
3. श्री प्रदीप सिंह वाघेला, गुजरात
4. श्री सतीश रेड्डी, विधायक, प्रदेश मंत्री, कर्नाटक

जम्मू-कश्मीर स्थानीय निकाय चुनाव हेतु चुनाव प्रभारियों की नियुक्ति

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 15 नवंबर 2020 को आगामी जम्मू-कश्मीर स्थानीय निकाय चुनावों हेतु निम्नलिखित नियुक्ति की—

चुनाव प्रभारीः श्री अनुराग ठाकुर
केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों के राज्यमंत्री

चुनाव सह-प्रभारीः श्री शाहनवाज हुसैन
राष्ट्रीय प्रवक्ता, भाजपा

श्री संजय भाटिया
सांसद, हरियाणा

भाजपा प्रदेश प्रभारियों एवं सह प्रभारियों की नियुक्ति

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 13 नवंबर 2020 को संगठनात्मक दृष्टि से विभिन्न प्रदेशों के प्रभारियों एवं सहप्रभारियों की नियुक्ति की

क्र. सं.	प्रदेश	प्रभारी	सह-प्रभारी
1.	अण्डमान और निकोबार	श्री सत्या कुमार	
2.	आंध्र प्रदेश	श्री वी. मुरलीधरन	श्री सुनील देवधर
3.	अरुणाचल प्रदेश	श्री दिलीप सैकिया	
4.	असम	श्री बैजयंत पांडा	श्री पवन शर्मा, दिल्ली
5.	बिहार	श्री भूपेन्द्र यादव	श्री हरीश द्विवेदी श्री अनुपम हाजरा
6.	चंडीगढ़	श्री दुष्यंत कुमार गौतम	
7.	छत्तीसगढ़	श्रीमती डी पुरंदेश्वरी	श्री नितिन नवीन
8.	दमन दीव व दादरा नगर हवेली	श्रीमती विजया रहाटकर	
9.	दिल्ली	श्री बैजयंत पांडा	श्रीमती डॉ. अलका गुर्जर
10.	गोवा	श्री सी.टी. रवि	
11.	गुजरात	श्री भूपेन्द्र यादव	श्री सुधीर गुप्ता
12.	हरियाणा	श्री विनोद तावड़े	श्रीमती अन्नपूर्णा देवी
13.	हिमाचल प्रदेश	श्री अविनाश राय खन्ना	श्री संजय टंडन
14.	जम्मू-कश्मीर	श्री तरुण चुग	श्री आशीष सूद
15.	झारखंड	श्री दिलीप सैकिया	डॉ. सुभाष सरकार
16.	कर्नाटक	श्री अरुण सिंह	श्रीमती डी. के. अरुणा
17.	केरल	श्री सी.पी. राधाकृष्णन	श्री सुनील कुमार
18.	लद्दाख	श्री तरुण चुग	
19.	लक्षद्वीप	श्री अब्दुल्लाकुट्टी	
20.	मध्य प्रदेश	श्री पी. मुरलीधर राव	श्रीमती पंकजा मुंडे श्री बिस्वेस्वर टूडू
21.	महाराष्ट्र	श्री सी.टी. रवि	श्री ओमप्रकाश धुर्वे श्री जयभान सिंह पवैया
22.	मणिपुर	डॉ. संबित पात्रा	
23.	मेघालय	श्री एम. चूबा ए ओ	
24.	मिजोरम	श्री म्होनलुमो किकोन	
25.	नागालैंड	श्री नलिन कोहली	
26.	ओडिशा	श्रीमती डी पुरंदेश्वरी	श्री विजयपाल सिंह तोमर
27.	पुदुचेरी	श्री निर्मल कुमार सुराणा	
28.	पंजाब	श्री दुष्यंत कुमार गौतम	डॉ. नरेन्द्र सिंह
29.	राजस्थान	श्री अरुण सिंह	श्रीमती (डॉ.) भारतीबेन शियाल
30.	सिक्किम	डॉ. सुकांता मजूमदार	
31.	तमिलनाडु	श्री सी.टी. रवि	श्री सुधाकर रेड्डी
32.	तेलंगाना	श्री तरुण चुग	
33.	त्रिपुरा	श्री विनोद सोनकर	
34.	उत्तर प्रदेश	श्री राधामोहन सिंह	श्री सुनील ओझा श्री सत्या कुमार श्री संजीव चौरसिया
35.	उत्तराखंड	श्री दुष्यंत कुमार गौतम	श्रीमती रेखा वर्मा
36.	पश्चिम बंगाल	श्री कैलाश विजयवर्गीय	श्री अरविन्द मेनन श्री अमित मालवीय

पिछले डेढ़ साल में 2.60 करोड़ परिवारों को मुहैया कराए गए पेयजल कनेक्शनः नरेन्द्र मोदी

विंध्याचल क्षेत्र में 5,555.38 करोड़ रुपए की ग्रामीण पेयजल आपूर्ति परियोजना की आधारशिला रखी गई, जिन्हें 24 महीनों में पूरा करने की योजना है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 22 नवंबर को उत्तर प्रदेश के विंध्याचल क्षेत्र के मिर्जापुर और सोनभद्र जिलों में ग्रामीण पेयजल आपूर्ति परियोजनाओं की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए आधारशिला रखी। प्रधानमंत्री ने जिन परियोजनाओं की आधारशिला रखी, उनसे 2995 गांवों के सभी घरों में जल-नल कनेक्शन पहुंचेंगे और इनसे जिलों की करीब 42 लाख की आबादी को लाभ होगा। इन परियोजनाओं की कुल अनुमानित लागत 5,555.38 करोड़ रुपए है। परियोजनाओं को 24 महीनों में पूरा करने की योजना है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जल जीवन मिशन की शुरुआत के बाद पिछले डेढ़ साल में दो करोड़ 60 लाख से ज्यादा परिवारों को पेयजल कनेक्शन मुहैया कराए गए हैं, इनमें उत्तर प्रदेश के कई लाख परिवार भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन के कारण हमारी माताओं और बहनों का जीवन आसान हुआ है क्योंकि उन्हें अपने घर में आसानी से पानी मिल रहा है।

श्री मोदी ने कहा कि इसका एक और बहुत बड़ा फायदा यह हुआ है कि गंदे पानी की वजह से गरीब परिवारों में होने वाली हैजा, टायफाइड, इन्सिफिलाइटिस जैसी जलजनित बीमारियों में बहुत कमी आई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रचुर संसाधन होने के बावजूद विंध्याचल और बुंदेलखंड क्षेत्र अभावग्रस्त क्षेत्र बने हुए हैं।

उन्होंने कहा कि बहुत सी नदियां होने के बावजूद इन क्षेत्रों को जलाभाव वाला और सूखा प्रभावित क्षेत्र माना जाता है। श्री मोदी ने कहा कि इसी वजह से यहां के बहुत से निवासियों को क्षेत्र छोड़कर अन्यत्र चले जाना पड़ता है। उन्होंने कहा कि अब इन परियोजनाओं से जल संकट और सिंचाई जैसे मुद्दों का समाधान हो जाएगा जो तीव्र विकास का सूचक है।

प्रधानमंत्री ने उत्तर प्रदेश सरकार की इस बात के लिए प्रशंसा की कि उसने महामारी के समय में भी एक प्रभावी सुशासन दिया और सुधारों की गति को बनाए रखा। श्री मोदी ने इस क्षेत्र में हुए विकास कार्यों के संबंध में भी जानकारी दी। उन्होंने एलपीजी गैस सिलेंडर, बिजली आपूर्ति, मिर्जापुर में सौर संयंत्र, सिंचाई परियोजनाओं को पूरा करने और बंजर भूमि पर सौर परियोजनाएं लगाकर किसानों को लगातार अतिरिक्त आय मुहैया कराने के प्रावधानों की ओर संकेत किया।

- **जल जीवन मिशन की शुरुआत के बाद पिछले डेढ़ साल में दो करोड़ 60 लाख से ज्यादा परिवारों को पेयजल कनेक्शन मुहैया कराए गए हैं**

स्वामित्व योजना का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने बताया कि भूमि के मालिकों को रिहायशी और खेती योग्य भूमि के सत्यापित स्वामित्व पट्टे प्रदान किए गए हैं, जिनसे लोगों के मन में पट्टों के प्रति स्थिरता और निश्चितता आई है। इससे समाज के गरीब तबके के लोगों की संपत्ति पर अवैध अतिक्रमण करने की प्रवृत्ति पर लगाम लगी है और इस संपत्ति के बदले में ऋण लेने की संभावना में सुधार हुआ है।

क्षेत्र की जनजातीय आबादी के उन्नयन के लिए किए जा रहे प्रयासों के बारे में बताते हुए श्री मोदी ने कहा कि कुछ विशेष परियोजनाओं के तहत यह योजनाएं जनजातीय क्षेत्रों तक भी ले जाई जा रही हैं। उत्तर प्रदेश समेत इस तरह के सभी क्षेत्रों में सैंकड़ों एकलव्य मॉडल स्कूल्स खोले गए हैं। हमारा लक्ष्य हर जनजातीय बहुल ब्लॉक में यह सुविधा प्रदान करने का है।

उन्होंने कहा वनोपज आधारित परियोजनाएं भी लागू की गई हैं। एक जिला स्तरीय खनिज कोष भी स्थापित किया गया है। ताकि जनजातीय क्षेत्रों में कोष की बिलकुल कमी न होने पाए। इस योजना के पीछे यह विचार है कि इन इलाकों से प्राप्त संसाधनों का एक हिस्सा स्थानीय तौर पर निवेश किया जाए। उत्तर प्रदेश में इस कोष के तहत 800 करोड़ रुपए एकत्रित किए गए हैं और 6000 से ज्यादा परियोजनाओं की मंजूरी दी गई।

प्रधानमंत्री ने लोगों से अपील की कि वे कोरोना के प्रति सचेत रहें क्योंकि इसका खतरा अभी भी मंडरा रहा है। उन्होंने लोगों से कहा कि वे पूरी ईमानदारी से इसके लिए तय सावधानियां बरतें। ■

पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत 25 लाख से अधिक आवेदन हुए प्राप्त

अभी तक 12 लाख से अधिक आवेदनों को मंजूरी

प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि-पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत 25 लाख से अधिक आवेदन (17 नवंबर तक) प्राप्त हुए है। इस विशेष सूक्ष्म ऋण सुविधा योजना के अंतर्गत 12 लाख से अधिक आवेदनों को अभी तक मंजूरी दी गई है और लगभग 5.35 लाख ऋण वितरित किए गए है। उत्तर प्रदेश में 6.5 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। इसमें से 3.27 लाख आवदेनों को मंजूरी दी गई है और 1.87 लाख ऋण वितरित किए गए हैं। उत्तर प्रदेश में स्वनिधि योजना के ऋण समझौते के लिए स्टैम्प शुल्क माफ किया गया है।

कोविड-19 लॉकडाउन के कारण अपना कारोबारी स्थान छोड़कर पैतृक स्थान जाने वाले वेंडर्स वापसी पर इस योजना के पात्र होते हैं। ऋण प्रावधान को बाधारहित बनाया गया है। किसी भी सामान्य सेवा केन्द्र या पालिका कार्यालय या बैंकों से आवेदन पत्र ऑनलाइन अपलोड किये जा सकते है। बैंक भी स्ट्रीट वेंडरों के दरवाजे पर पहुंच रहे हैं, ताकि कारोबार शुरू करने के लिए उन्हें ऋण उपलब्ध कराया जा सके।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इस सिलसिले में बैंककर्मियों के कठिन परिश्रम की सराहना करते हुए कहा है कि एक समय था जब स्ट्रीट वेंडर बैंकों के अंदर नहीं जाते थे, लेकिन अब बैंक उनके घर पहुंच रहे हैं।

पारदर्शिता, उत्तरदायित्व और निरंतरता के साथ योजना को तेजी से लागू करने के काम को सुनिश्चित करने के लिए वेब पोर्टल/मोबाइल ऐप के साथ डिजिटल प्लेटफार्म विकसित किया गया है, ताकि प्रारंभ से अंत तक के समाधान के साथ योजना को लागू किया जा सके। आईटी प्लेटफार्म ऋण प्रबंधन के लिए वेब पोर्टल/मोबाइल ऐप को सिडबी के उद्यमी मित्र पोर्टल से एकीकृत करता है तथा आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय का पोर्टल पैसा से एकीकृत करता है, ताकि स्वतः ब्याज सब्सिडी दिलाई जा सके।

यह योजना प्राप्तियों/यूपीआई जैसे डिजिटल साधनों के उपयोग से किए गए भुगतान, भुगतान संग्रहकर्ता के क्यूआर कोड, रुपे-डेबिट कार्ड आदि उपायों से वेंडरों के डिजिटल लेनदेन को मासिक कैश बैक के माध्यम से प्रोत्साहित करती है। ■

क्यूआरएसएएम प्रणाली का द्वितीय सफल उड़ान परीक्षण

क्विक रिएक्शन सरफेस टू एयर मिसाइल (क्यूआरएसएएम) प्रणाली ने 17 नवंबर को एक उड़ान परीक्षण में हवाई लक्ष्य का सटीक रूप से पता लगाया और सफलतापूर्वक लक्ष्य को तय समय में मार गिराया। उड़ान परीक्षणों की श्रृंखला में यह द्वितीय उड़ान परीक्षण ओडिशा तट पर एकीकृत परीक्षण रेंज, चांदीपुर से किया गया। यह परीक्षण एक बार फिर से उच्च क्षमता वाले मानवरहित जेट हवाई लक्ष्य, जिसे बंशी कहा गया, के खिलाफ किया गया जो एक विमान के अनुरूप है।

रडार ने काफी लंबी दूरी से ही लक्ष्य का पता लगा लिया और मिशन कंप्यूटर द्वारा स्वचालित तरीके से मिसाइल के दागे जाने तक उसकी निगरानी करता रहा। रडार डेटा लिंक के माध्यम से मिसाइल को निरंतर मार्गदर्शन प्रदान किया जाता रहा। मिसाइल ने टर्मिनल सक्रिय होमिंग मार्गदर्शन में प्रवेश किया और लक्ष्य के इतने करीब पहुंच गया, जोकि आयुध सक्रियण के संचालन के लिए पर्याप्त था।

यह उड़ान परीक्षण हथियार प्रणाली की तैनाती विन्यास में किया गया था जिसमें लॉन्चर, पूर्ण रूप से स्वचालित कमान और नियंत्रण प्रणाली, निगरानी प्रणाली और मल्टीफंक्शन रडार शामिल थे। यह क्यूआरएसएएम हथियार प्रणाली, जिसका संचालन गतिशील स्थिति में किया जा सकता है, में सभी स्वदेशी रूप से विकसित उपप्रणाली शामिल हैं। परीक्षण के सभी उद्देश्य पूर्ण रूप से प्राप्त किए गए। यह प्रक्षेपण भारतीय सेना के उपयोगकर्ताओं की उपस्थिति में किया गया।

रडार, टेलीमेट्री और इलेक्ट्रोऑप्टिकल सेंसर जैसे कई रेंज उपकरण तैनात किए गए थे जिन्होंने उड़ान के संपूर्ण डेटा को कैप्चर किया और मिसाइल के प्रदर्शन को सत्यापित किया।

क्यूआरएसएएम परीक्षण की श्रृंखला में पहला परीक्षण 13 नवंबर, 2020 को किया गया जिसमे सीधा प्रहार करके एक बड़ी उपलब्धि हासिल की गई। दूसरे परीक्षण ने आयुध के प्रदर्शन के मापदंडों को साबित कर दिया। ■

50,000 से ज्यादा आयुष्मान भारत हेल्थ एंड वेल्नेस सेंटरों का परिचालन शुरू

भारत ने सार्वभौमिक स्वास्थ्य देखभाल के क्षेत्र में 20 नवंबर को एक और मील का पत्थर पार कर लिया। अब देशभर में 50,000 (50,025) से ज्यादा आयुष्मान भारत–हेल्थ एंड वेल्नेस सेंटरों (एबी-एचडब्ल्यूसी) में कामकाज शुरू हो गया है। लोगों को उनके घर के नजदीक समन्वित प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल (सीपीएचसी) मुहैया कराने के लक्ष्य के साथ दिसंबर, 2022 तक 1.5 लाख एबी-एचडब्ल्यूसी स्थापित किए जाने हैं। 50,000 से ज्यादा सेंटर स्थापित हो जाने के बाद लक्ष्य का एक-तिहाई प्राप्त कर लिया गया है। इससे 25 करोड़ से ज्यादा लोगों की वहन योग्य प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल सेवा तक पहुंच बन जाएगी।

केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने कोविड-19 महामारी की चुनौती के बावजूद एचडब्ल्यूसी में कामकाज शुरू करने में सफलता पाने के लिए राज्यों/केन्द्रशासित प्रदेशों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह कार्य योजना बनाने, सभी स्तरों पर निगरानी रखने, प्रक्रिया के मानकीकरण, राज्यों/केन्द्रशासित प्रदेशों को दिए गए कार्यों के लिए दर्शाए लचीलेपन और अब तक तैयार स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार के प्रति केन्द्र और राज्य/केन्द्रशासित प्रदेशों के संयुक्त प्रयासों के फलस्वरूप संभव हो पाया है।

स्वास्थ्य मंत्री ने अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, चिकित्सा अधिकारियों, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों और आशा कार्यकर्ताओं का खासतौर से धन्यवाद किया और कहा कि समन्वित प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल सेवा प्रदान करने और लाखों लोगों को इस मुश्किल समय में अनिवार्य स्वास्थ्य सेवा मुहैया कराने की उनकी प्रतिबद्धता से ही यह संभव हो सका।

हेल्थ एंड वेल्नेस सेंटर लोगों को सीपीएचसी सेवाएं उपलब्ध कराते हैं और प्रजनन संबंधी, मातृत्व संबंधी, नव प्रसूता संबंधी, शिशु और किशोरों संबंधी तथा पोषण संबंधी (आरएमएनसीएच+एन) सेवाएं मुहैया कराने के साथ-साथ संचारी रोगों पर नियंत्रण के लिए प्रयास करते हैं।

• 50,000 से ज्यादा सेंटर स्थापित हो जाने के बाद लक्ष्य का एक-तिहाई प्राप्त कर लिया गया है। इससे 25 करोड़ से ज्यादा लोगों की वहन योग्य प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल सेवा तक पहुंच बन जाएगी।

यह 50,025 एबी- एचडब्ल्यूसी देश के 678 जिलों में फैले हुए हैं और इनमें 27,890 उप-स्वास्थ्य केंद्र, 18,536 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तथा 3,599 शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र शामिल हैं। इन सभी एबी-एचडब्ल्यूसी में अब तक 28.10 करोड़ से ज्यादा लोग इलाज के लिए आ चुके हैं, जिनमें से 53 प्रतिशत से ज्यादा महिलाएं हैं। अब तक 6.43 करोड़ लोगों की उच्च रक्तचाप के लिए, 5.23 करोड़ की मधुमेह के लिए और 6.14 करोड़ की कैंसर के लिए स्क्रीनिंग की गई है। करीब 1.0 करोड़ लोगों को उच्च रक्तचाप के लिए और 60 लाख से ज्यादा तो मधुमेह के लिए निःशुल्क दवाएं दी जा चुकी हैं। ■

भारत सरकार ने 43 मोबाइल ऐप के उपयोग पर लगायी रोक

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार ने 24 नवंबर को सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 69ए के अंतर्गत एक आदेश जारी किया है, जिसके तहत अलीबाबा समूह के ई-वाणिज्य ऐप अली एक्सप्रेस समेत 43 मोबाइल ऐप्स तक पहुंच पर रोक लगायी गयी है। यह कार्रवाई प्राप्त इनपुट के आधार पर की गयी है। इनपुट के अनुसार ये ऐप्स ऐसी गतिविधियों में संलग्न हैं, जो भारत की संप्रभुता और अखंडता, देश की रक्षा, देश की सुरक्षा और सार्वजनिक व्यवस्था के लिए नुकसानदेह हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र, गृह मंत्रालय से प्राप्त व्यापक रिपोर्टों के आधार पर भारत में उपयोगकर्ताओं द्वारा इन ऐप्स तक पहुंच को अवरुद्ध करने का आदेश जारी किया है।

इससे पहले 29 जून, 2020 को भारत सरकार ने 59 मोबाइल ऐप्स तक पहुंच को अवरुद्ध किया था और 2 सितंबर, 2020 को सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 69ए के तहत 118 अन्य ऐप्स पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।

जिन 43 ऐप पर पाबंदी लगायी गयी है, उनमें अली सप्लायर्स मोबाइल ऐप, अलीबाबा वर्कबेंच, अली एक्सप्रेस, अलीपे कैशियर, कैमकार्ड (बिजनेस कार्ड रीडर), स्नैक वीडियो और कई डेटिंग ऐप-वीडेट, चाइनीज सोशल, चाइना लव, डेट माई एज, फ्लर्ट विश और गाइज वनली डेटिंग शामिल हैं। इसके अलावा टुबिट, वी वर्क चाइना, कैशिअर वॉलेट, जेलीपॉप मैच, हैप्पी फिश और मुंचकिन मैच पर भी पाबंदी लगायी गयी है। ■

दक्षिणपंथ व वामपंथ के आधार पर दलों का विभाजन अनुचित

| दीनदयाल उपाध्याय |

विभिन्न राजनीतिक दलों के घोषणा-पत्रों का विवेचन करने से पूर्व उचित होगा कि उनके आधारभूत आदर्शों एवं मान्यताओं पर विचार कर लिया जाए। इससे हमें उनके घोषणा-पत्रों में दिए गए विषय को समझने में भी आसानी होगी और हम उनके कार्यक्रम और वायदों का मूल्यांकन भी उचित ढंग से कर सकेंगे। परंतु जैसे एक गणितज्ञ की दृष्टि में शून्य का अर्थ साधारण अर्थ से भिन्न हुआ करता है, उसी तरह विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा प्रयुक्त एक समान शब्द के भी अलग-अलग अर्थ होते हैं। इसी भांति आनुसंगिक बातों की जानकारी भी हमें विभिन्न राजनीतिक दलों के पुराने कार्यकलापों आदि के द्वारा प्राप्त हो सकती है, क्योंकि दलों के घोषणा-पत्रों में विस्तार से कुछ भी नहीं दिया रहता।

भ्रामक वर्गीकरण

पश्चिमी देशों में राजनीतिक दलों का वर्गीकरण दक्षिणपंथी और वामपंथी कहकर किया जाता है। भारतवर्ष में भी भिन्न-भिन्न राजनीतिक दलों के लिए इसी शब्दावली का प्रयोग कर उनकी विशेषताएं और उद्देश्य बताए जाते हैं, किंतु इस देश की राजनीति का सही चित्रण इस शब्दावली द्वारा असंभव है। हमारे यह कहने का कारण यही है कि इस देश में उग्र दक्षिणपंथी या उग्र वामपंथी दलों के अतिरिक्त ऐसे दल भी हैं, जिनके न केवल मिले-जुले सिद्धांत हैं बल्कि उनके द्वारा स्वीकार किए गए कार्यक्रम भी इस प्रकार के हैं, जो इस रूढ़िवादी विभाजन को गलत सिद्ध कर देते हैं।

कांग्रेस को एक वामपंथी संस्था कहा जाता है, क्योंकि यह देश में समाजवादी ढांचे के आधार पर देश की रचना करना चाहती है। परंतु यह जिनका समर्थन करती है और जहां से जीवन पाती है, वह निहित स्वार्थ वाला वर्ग तो इसे एक अनुदार

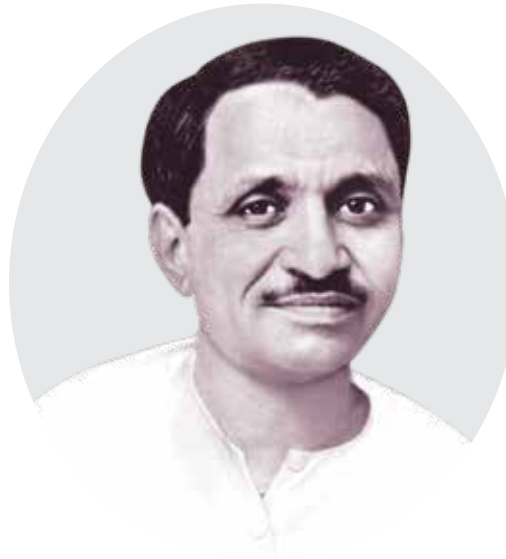

पश्चिमी देशों में राजनीतिक दलों का वर्गीकरण दक्षिणपंथी और वामपंथी कहकर किया जाता है। भारतवर्ष में भी भिन्न-भिन्न राजनीतिक दलों के लिए इसी शब्दावली का प्रयोग कर उनकी विशेषताएं और उद्देश्य बताए जाते हैं, किंतु इस देश की राजनीति का सही चित्रण इस शब्दावली द्वारा असंभव है।

दल बना देता है। इसी भांति जनसंघ को दक्षिणपंथी कहा जा सकता है, क्योंकि वह काल्पनिक समाजवाद में विश्वास नहीं करता। फिर भी उसका कार्यक्रम और ढांचा इतना सुधारवादी है, जो उसे इस देश की अन्यान्य सुधारवादी संस्थाओं से मौलिक रूप से पृथक कर देता है।

विदेशों का अंधानुकरण

यदि हम इस पाश्चात्य वर्गीकरण को अस्वीकृत कर दें तो भारतवर्ष के राजनीतिक दलों का विश्लेषण उनके प्रेरणास्रोत के आधार पर किया जा सकता है और यह कहा जा सकता है कि देश के अधिकांश राजनीतिक दल भारत की राजनीति को विदेशी ढांचे के आधार अथवा कल्पनाओं एवं मान्यताओं के सहारे ही चलाना चाहते हैं। अपने देश के कांग्रेस, स्वतंत्र, प्र.स., समाजवादी और कम्युनिस्ट दल इसी श्रेणी के अंतर्गत आते हैं।

कम्युनिस्ट रूस के पिछलग्गू

इन राजनीतिक दलों में पारस्परिक कितनी भी भिन्नता क्यों न हो, पर वे सभी देश की राजनीति राज्यशास्त्र के विदेशी सिद्धांतों के आधार पर ही चलाना चाहते हैं। इसीलिए इस देश के मौलिक राजदर्शन को अपनाना तो दूर उसके विषय में सोचने तक को वे तत्पर नहीं हैं। यदि कुछ दल सोचते भी हैं तो वे पश्चिमी दर्शन और आदर्शों को भारतीय संस्कृति में मिलाकर एक खिचड़ी तैयार कर देना चाहते हैं। इसीलिए भारत की राजनीतिक परिस्थिति का विश्लेषण करते समय वे निःसंकोच पाश्चात्य मापदंडों का सहारा ले बैठते हैं। जहां तक कम्युनिस्टों का प्रश्न है, वह विशुद्ध मार्क्सवादी दर्शन को, जैसाकि रूस में उसका विकास हो

पाया है, अक्षरशः स्वीकार कर डालना चाहते हैं।

त्रिशंकु की अवस्था

कांग्रेस, प्र.स. और समाजवादी ऐसे दल हैं, जो राष्ट्रीय वफादारी और समाजवादी आदर्शों के बीच त्रिशंकु के समान लटके रहते हैं। वे प्रजातांत्रिक व्यवस्था को भी छोड़ना नहीं चाहते और किसी प्रकार लोकतंत्र और समाजवाद को मिला देना चाहते हैं। इसके विपरीत स्वतंत्र पार्टी समाजवाद की विरोधी है। किंतु उसकी दृष्टि में हेय पूंजीवाद के अतिरिक्त समाजवाद का स्थान दूसरा कोई राजदर्शन नहीं ले सकता।

जनसंघ और रामराज्य परिषद्

दूसरी ओर ऐसे राजनीतिक दल भी हैं, जो पाश्चात्य आदर्शों और जीवन-प्रणाली का अंधानुकरण करने को तत्पर नहीं हैं तथा भारतीय संस्कृति एवं भारतीय जीवन के शाश्वत सिद्धांतों से प्रेरणा ग्रहण करते हैं। इन दोनों में रामराज्य परिषद् अधिक रूढ़िवादी है और वह किसी भी प्रकार के सामाजिक और आर्थिक सुधारों के विरुद्ध है। इसके विपरीत जनसंघ स्वामी दयानंद और लोकमान्य तिलक के मार्ग पर चलते हुए न केवल सामाजिक सुधार करना चाहता है वरन् उन्हें आर्थिक क्षेत्र में भी लागू करने का इच्छुक है।

सुधारवादी और रूढ़िवादी

इस प्रकार दूसरे ढंग से किए गए वर्गीकरण की दृष्टि से इनमें एक को अपरिवर्तनवादी या रूढिवादी और दूसरे को परिवर्तनवादी या सुधारवादी कहा जा सकता है। रामराज्य परिषद् और स्वतंत्र रूढ़िवादी श्रेणी के अंतर्गत आते हैं और वे गत चौदह वर्षों में हुए परिवर्तन को उलटकर पूर्ववर्ती ढांचा कायम करने की इच्छा रखते हैं। उनके अनुसार आज जो ढांचा बना हुआ है अथवा अंग्रेजों के काल में था, वह श्रेष्ठ है और इसलिए उसे बनाए रखना चाहिए। वे उसे पवित्र समझते हैं, यद्यपि दोनों के दृष्टिकोण भिन्न-भिन्न हैं। रामराज्य परिषद् उसे हिंदुत्व का प्रतिरूप समझती है तो स्वतंत्र पार्टी उदारवादी दृष्टिकोण के नाम पर उसे बनाए रखते हुए अपनी रूढ़िवादिता का परिचय देती है।

अन्य दलों की वर्तमान स्थिति

अन्य दल वर्तमान स्थिति से संतुष्ट नहीं हैं। वे समाज की आर्थिक व्यवस्था और अन्य संस्थानों में परिवर्तन इसलिए आवश्यक समझते हैं, क्योंकि न तो वे आदर्श रूप हैं और न ही वे समाज की आवश्यकताओं की पूर्ति करने में सक्षम हैं। परंतु समाजवादी अथवा साम्यवादी समाजवाद के उपासक पाश्चात्य विद्वानों द्वारा प्रतिपादित आदर्शों की नकल करने को इच्छुक हैं, जबकि जनसंघ उसकी दिशा अपने पूर्वजों द्वारा प्रतिपादित संपूर्ण मानव जाति के लिए सब कालों के लिए उपयुक्त सिद्धांतों और आदर्शों की ओर मोड़ देना चाहता है।

निश्चय करें

इसलिए यदि आप 'यथास्थिति' के समर्थक हैं तो स्वतंत्र पार्टी को अपना मत दें और यदि आप पाश्चात्य ढांचे पर राष्ट्र को ढालना चाहते हों तो किसी भी एक समाजवादी को चुन लें; किंतु यदि आप देश की प्राचीन संस्कृति के आधार पर राष्ट्र-जीवन का सुधार और परिष्कार करना चाहते हों तो जनसंघ में सम्मिलित हो जाएं। ■

-पाञ्चजन्य, फरवरी 12, 1962, संघ शिक्षा वर्ग, बौद्धिक वर्ग : लखनऊ

श्रद्धांजलि

कैलाश सारंग का निधन

मध्य प्रदेश भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री कैलाश सारंग का 14 नवंबर को मुंबई में निधन हो गया। श्री सारंग भारतीय जनता पार्टी के संस्थापक सदस्य थे। वे 85 वर्ष के थे। मुंबई के बांबे अस्पताल में पिछले कुछ दिनों से उनका इलाज चल रहा था।

श्री सारंग के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने ट्वीट किया कि कैलाश सारंग जी ने मध्यप्रदेश में भाजपा को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई। वे मध्यप्रदेश की उन्नति के लिए एक संवेदनशील और कर्मठ नेता के रूप में याद किये जाएंगे। उनके निधन से दुःखी हूं। उनके परिवार और शुभचिंतकों के प्रति संवेदना। ॐ शांति।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि भाजपा के हम सभी कार्यकर्ताओं के मार्गदर्शक, मुझे पिता समान स्नेह, प्यार और आशीर्वाद देने वाले हमारे प्रिय बाबूजी श्रद्धेय कैलाश सारंग जी का देवलोकगमन आज हुआ है।

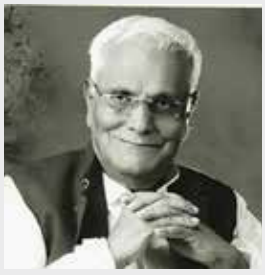

श्री चौहान ने कहा कि हृदय व्यथित है और मन पीड़ा से भरा हुआ है। ईश्वर उनकी आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें।

उन्होंने कहा कि श्रद्धेय कैलाश सारंग जी ने अपना सम्पूर्ण जीवन जनसंघ व भारतीय जनता पार्टी एवं समाज के पीड़ित वर्ग के उत्थान को समर्पित कर दिया था। उनके रूप में कर्तव्यनिष्ठ, कुशल संगठक, समाजसेवी, लेखक, पत्रकार, कवि, शायर क्या-क्या नाम दूं; को आज हमने खोया है। उनका अवसान मेरी व्यक्तिगत क्षति है। ■

नहीं रहीं गोवा की पूर्व राज्यपाल मृदुला सिन्हा

(27 नवम्बर, 1942 – 18 नवंबर, 2020)

गोवा की पूर्व राज्यपाल, वरिष्ठ भाजपा नेता और प्रख्यात साहित्यकार श्रीमती मृदुला सिन्हा का 18 नवंबर को दिल्ली में निधन हो गया। वह एक कुशल लेखिका भी थीं, जिन्होंने साहित्य और संस्कृति की दुनिया में व्यापक योगदान दिया। श्रीमती मृदुला सिन्हा 77 वर्ष की थीं। वे पहले जनसंघ और फिर भाजपा से जुड़ीं। श्रीमती सिन्हा भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष भी रहीं।

श्रीमती मृदुला सिन्हा का जन्म 27 नवम्बर, 1942 को छपरा, मुजफ्फरपुर (बिहार) में हुआ था। उन्होंने शुरुआती शिक्षा लखीसराय बालिका विद्यापीठ तथा बीए की डिग्री एमडीडीएम कॉलेज से हासिल की। इसके बाद बिहार विश्वविद्यालय से पीजी की डिग्री हासिल की। पढ़ाई के बाद वह एसकेएस महिला कॉलेज, मोतिहारी में प्रोफेसर बनीं। श्रीमती मृदुला सिन्हा के राजनीतिक जीवन की शुरुआत 1977 में हुई।

श्रीमती मृदुला सिन्हा ने अपने जीवनकाल में कई पुस्तकें लिखीं। उनके उपन्यास ज्यो मेहंदी को रंग पर दूरदर्शन की लघु फिल्म बनी। इसके अलावा उनके उपन्यास नई देवयानी, घरवासा, सीता पुनि बोली, सावित्री, तिशय आदि काफी सराहे गए। उन्होंने श्रीमती राज माता सिंधिया की जीवनी 'राजपथ से लोकपथ' लिखी, जिस पर फिल्म भी बनी।

उनका कथा संग्रह साक्षात्कार, स्पर्श की

तासीर, एक दीये की दीवाली आदि को काफी सराहा गया। उन्होंने आईने के सामने, मानवी के नाते, बिहार की लोककथा (बच्चों के लिए) आदि निबंध संग्रह भी लिखे। साथ ही, श्रीमती सिन्हा ने विभिन्न राष्ट्रीय और क्षेत्रीय हिंदी अखबारों और पत्रिकाओं में नियमित रूप से लेखन भी किया।

शोक संदेश

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गोवा की पूर्व राज्यपाल श्रीमती मृदुला सिन्हा के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया। एक ट्वीट में प्रधानमंत्री ने कहा कि श्रीमती मृदुला सिन्हा जी को सार्वजनिक सेवा के प्रति उनके प्रयासों के लिए याद किया जाएगा। वह एक कुशल लेखिका भी थीं, जिन्होंने साहित्य के साथ-साथ संस्कृति की दुनिया में भी व्यापक योगदान दिया। उनके निधन से बहुत दुःखी हूं। उनके परिवार और स्वजनों के प्रति संवेदना। ओम शांति।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने ट्वीट कर लिखा कि गोवा की पूर्व राज्यपाल, प्रख्यात साहित्यकार एवं भाजपा की वरिष्ठ नेत्री मृदुला सिन्हा जी के निधन से मन व्यथित है। उनका निधन भाजपा परिवार के लिए एक अपूर्णीय क्षति है। मैं ईश्वर से उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता हूं तथा शोकाकुल परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं।

श्रीमती मृदुला सिन्हा को श्रद्धांजलि देते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा और साथ में भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) श्री बीएल संतोष

केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने ट्वीट कर लिखा कि पूर्व राज्यपाल एवं साहित्यकार मृदुला सिन्हा का निधन मेरे लिए बेहद पीड़ादायक है। वे अपने लम्बे सार्वजनिक जीवन में हर दायित्व को निभाने में सहज और सफल रहीं। एक लेखिका के रूप में भी उन्होंने अपनी एक अलग पहचान बनाई। उनका पूरा जीवन समाज और साहित्य की सेवा के प्रति समर्पित रहा।

उन्होंने कहा कि मृदुलाजी ने हमेशा महिलाओं, वंचितों और अन्य निर्बल वर्गों से जुड़े मुद्दों को अपनी आवाज़ दी। उनका निधन मेरे लिए व्यक्तिगत क्षति है। मैं उनके प्रति अपनी भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। ओम् शांति।

केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने ट्वीट कर लिखा कि गोवा की पूर्व राज्यपाल और वरिष्ठ भाजपा नेता मृदुला सिन्हा जी का निधन बहुत दुःखद है। उन्होंने जीवन पर्यन्त राष्ट्र, समाज और संगठन के लिए काम किया। वह एक निपुण लेखिका भी थीं, जिन्हें उनके लेखन के लिए भी सदैव याद किया जाएगा। उनके परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। ॐ शान्ति।

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने श्रीमती सिन्हा के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए ट्वीट किया कि गोवा की पूर्व राज्यपाल मृदुला सिन्हा जी को मेरी भावभीनी श्रद्धांजलि। जनसंघ के समय से संगठन को मजबूत करने में मृदुला जी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उनका निधन भाजपा परिवार के लिए बड़ी क्षति है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करे और परिजनों को संबल दे। ॐ शांति। ■

देश ने कोविड-19 महामारी का सामना समन्वित प्रयासों से किया: नरेन्द्र मोदी

कोविड रोगी के ठीक होने की दर तथा मृत्यु दर के मामले में भारत की स्थिति अन्य ज्यादातर देशों से बहुत बेहतर है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कोविड-19 प्रतिक्रिया एवं प्रबंधन की तैयारियों और स्थिति की समीक्षा के लिए सभी राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों के साथ 24 नवम्बर, 2020 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में आठ राज्यों पर मुख्य रूप से ध्यान केन्द्रित किया गया, जिसमें हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़, केरल, महाराष्ट्र, राजस्थान, गुजरात और पश्चिम बंगाल शामिल हैं। बैठक के दौरान कोविड-19 टीका आपूर्ति, वितरण और टीकाकरण की व्यवस्था के तौर-तरीके पर चर्चा हुई।

स्वास्थ्य अवसंरचना में वृद्धि करना

प्रधानमंत्री ने कहा कि देश ने इस महामारी का सामना समन्वित प्रयासों से किया और रोगी के ठीक होने की दर तथा मृत्यु दर के मामले में भारत की स्थिति अन्य ज्यादातर देशों से बहुत बेहतर है। उन्होंने जांच और उपचार नेटवर्क के व्यापक विस्तार की चर्चा की और कहा कि पीएम केयर फंड का मुख्य जोर ऑक्सीजन मुहैय्या कराने पर रहा है। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेजों और जिला अस्पतालों को ऑक्सीजन उत्पादन के मामलों में आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास किये जा रहे हैं और 160 से ज्यादा नये ऑक्सीजन संयंत्र लगाने की प्रक्रिया चल रही है।

लोगों की प्रतिक्रिया के चार स्तर

यह बताते हुए कि महामारी के प्रति लोगों की प्रतिक्रिया को समझना बेहद जरूरी है, प्रधानमंत्री ने कहा कि इसे चार स्तरों पर समझा जा सकता है। पहला, आशंका का माहौल था, जब लोगों में दहशत भर गई। दूसरे स्तर पर, इस वायरस के संबंध में आशंकाएं पैदा हुईं, जब बहुत से लोगों ने इस बात को छुपाने का प्रयास किया कि वो इससे संक्रमित हो चुके हैं। तीसरा स्तर, इसे स्वीकार करने का था, जब लोगों ने इस वायरस के प्रति अधिक गंभीर रूख अख्तियार किया, जब उन्होंने बेहद सतर्कता का व्यवहार दर्शाया। चौथे स्तर पर, रोगियों के ठीक होने की बढ़ती दर के चलते लोगों ने वायरस से सुरक्षित होने की एक भ्रामक धारणा बना ली, जिससे लापरवाही के कारण मामले बढ़े।

प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि चौथे स्तर पर इस वायरस से संक्रमण की गंभीरता के बारे में जागरूकता बढ़ाना सबसे महत्वपूर्ण काम है। उन्होंने कहा कि जिन देशों में शुरुआती चरण में महामारी का असर और प्रसार बहुत कम था, वहां इस तरह इसके प्रसार का जैसा रूख अब दिख रहा है, वैसा ही रुख हमारे कुछ राज्यों में भी दिखाई दे रहा है, इसलिए हमारे प्रशासन को कहीं ज्यादा सतर्कता और तत्परता से काम करने की जरूरत है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आरटी-पीसीआर टेस्ट बढ़ाया जाना, रोगियों खासतौर से घर में आइसोलेट हो रहे लोगों की बेहतर निगरानी सुनिश्चित करना, गांवों और सामुदायिक स्तर पर स्वास्थ्य देखभाल केन्द्रों को सभी सुविधाओं से लैस करना और वायरस से सुरक्षा के लिए जागरूकता अभियान चलाते रहना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य मृत्यु दर को एक प्रतिशत से भी नीचे लाना होना चाहिए।

सहज, व्यवस्थित और सतत टीकाकरण सुनिश्चित करना

प्रधानमंत्री ने आश्वस्त किया कि सरकार टीके के विकास के काम पर करीबी नजर रख रही है और वह टीके का विकास और उत्पादन करने वाले भारतीयों के साथ-साथ वैश्विक नियामकों, अन्य देशों की सरकारों, बहुपक्षीय संस्थानों और अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के सम्पर्क में है। उन्होंने कहा कि इस बात को सुनिश्चित किया जाएगा कि हमारे नागरिकों के लिए जो टीके आएं, वे अनिवार्य वैज्ञानिक मापदंड पर खरे उतरें।

श्री मोदी ने इस बात को रेखांकित किया कि जैसे कोविड के खिलाफ हर व्यक्ति के जीवन की सुरक्षा पर ध्यान केन्द्रित किया गया है, उसी तरह यह सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता होगी कि टीका हरेक व्यक्ति तक पहुंचे। सरकारों को सभी स्तरों पर यह सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करना होगा कि टीकाकरण अभियान सहज, व्यवस्थित और सतत आधार पर चलाया जाए।

प्रधानमंत्री ने कहा कि टीकाकरण में प्राथमिकता तय करने का काम राज्यों की सलाह से पूरा किया जाएगा। अतिरिक्त शीत गृह भंडारण संबंधित जरूरतों पर भी राज्यों के साथ मशविरा किया गया। ■

भू प्रबंधन प्रणाली (एलएमएस) का शुभारंभ

रक्षा मंत्रालय के अंतर्गत आने वाली जमीन के सही प्रबंधन में सुधार को ध्यान में रखते हुए मंत्रालय ने पहली बार रक्षा संपदा महानिदेशालय और सशस्त्र बलों के सहयोग से भू प्रबंधन प्रणाली स्थापित की है। इसके पोर्टल का औपचारिक उद्घाटन 19 नवंबर को रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने भारतीय सेना, रक्षा संपदा महानिदेशालय और सशस्त्र बलों के अन्य पदाधिकारियों की उपस्थिति में किया।

इस अंतरविभागीय पोर्टल की मदद से अब रक्षा मंत्रालय द्वारा संबंधित जमीनों के बारे में प्राप्त तमाम आवेदनों को डिजिटल किया जाएगा। साथ ही आर्काइव में रखे दस्तावेजों और संबंधित आंकड़ों को भी डिजिटल रूप दिया जाएगा। 2016 से लेकर अब तक के सभी मामलों के आंकड़ों को भी इस पोर्टल पर संरक्षित किया जाएगा। इससे पहले के डेटा को भी आने वाले वक्त में पोर्टल पर चढ़ाया जाएगा जो विभागीय इस्तेमाल के लिए उपलब्ध होगा न कि सार्वजनिक इस्तेमाल के लिए।

उम्मीद जताई जा रही है कि इस पोर्टल से विभाग के भूमि संबधित मामलों के निपटारे में तेजी और पारदर्शिता आएगी और इन्हें प्रभावी तौर पर हल किया जा सकेगा। भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) आधारित तकनीक से विभाग की कार्यशैली में निर्णय लेने की क्षमता को बल मिलेगा। निर्णय लेने की प्रक्रिया में शामिल

विभिन्न हितधारकों के बीच दोहराव या अनावश्यक संचार को कम करने में मदद मिलेगी जिससे जल्दी फैसले लेने में आसानी होगी।

इस भौगोलिक सूचना प्रणाली आधारित व्यवस्था को तकनीकी तौर पर मदद भारत के उम्दा जीआईएस आधारित सूचना विज्ञान के संगठन बीआईएसएजी से मिलेगी। ये सॉफ्टवेयर, रक्षा प्रबंधन से संबंधित सभी प्रस्तावों के शाब्दिक विवरण को एकत्रित करने के अलावा, इस डेटा को रक्षा भूमि नाम के सॉफ्टवेयर में समाहित करेगा। इसके अलावा ये अन्य प्रासंगिक जीआईएस-परतों जिसमें क्षेत्र की उपग्रह से प्राप्त तस्वीरों और अन्य जरूरी चीजों को भी एकीकृत करता है। ■

मेघालय एकीकृत परिवहन परियोजना के कार्यान्वयन के लिए भारत सरकार और विश्व बैंक के बीच हुआ 120 मिलियन डॉलर का कर्ज समझौता

भारत सरकार, मेघालय सरकार और विश्व बैंक ने 19 नवंबर को मेघालय राज्य के परिवहन क्षेत्र में सुधार और आधुनिकीकरण से संबंधित 120 मिलियन डॉलर की परियोजना के लिए एक समझौता किया। इससे मेघालय को अपनी बहुमूल्य कृषि और पर्यटन क्षेत्र में मौजूद विकास की संभावनाओं के दोहन में सहायता मिलेगी। इस परियोजना से नवाचार, जलवायु के प्रति लचीले और प्रकृति आधारित समाधानों के इस्तेमाल के द्वारा 300 किलोमीटर लंबे सामरिक मार्ग खंड और स्टैंडअलोन सेतुओं में सुधार किया जाएगा। इससे निर्माण में लगने वाला समय और लागत में कमी के लिए प्रीकास्ट सेतु जैसे नवीन समाधानों को भी बढ़ावा मिलेगा।

दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों और मुश्किल जलवायु परिस्थितियों के चलते मेघालय का परिवहन काफी चुनौतीपूर्ण है। वर्तमान में राज्य की 5,362 बस्तियों में से आधी परिवहन संपर्क की कमी से जूझ रही हैं।

विश्व बैंक के परिचालन प्रबंधक (भारत) श्री हिदेकी मोरी ने कहा कि इस परियोजना से मेघालय के विकास की संभावनाओं को दो प्रकार से बढ़ाया जाएगा। राज्य के भीतर इससे बेहद जरूरी परिवहन संपर्क उपलब्ध होगा। इससे मेघालय को बांग्लादेश, भूटान, भारत और नेपाल कॉरिडोर के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए बड़े संपर्क केन्द्र के रूप में भी स्थापित किया जाएगा।

इस परिचालन से कोविड-19 महामारी के चलते प्रभावित गतिविधियों को फिर से शुरू करने और उन्हें प्रोत्साहन देने के लिए सरकार के 'रीस्टार्ट मेघालय मिशन' को भी समर्थन मिलेगा। इससे परिवहन सेवाओं को बहाल करने और लगभग 8 मिलियन मानव दिवस प्रत्यक्ष रोजगार पैदा करने में सहायता मिलेगी।

इंटरनेशनल बैंक फॉर रिकंस्ट्रक्शन एंड डेवलपमेंट (आईबीआरडी) से मिले 120 मिलियन डॉलर के कर्ज की परिपक्वता अवधि 6 साल के ग्रेस पीरियड के साथ 14 साल होगी। ■

राष्ट्रीय हित के विरुद्ध चलने वाले अपवित्र 'ग्लोबल गठबंधन' को बर्दाश्त नहीं करेंगे: अमित शाह

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने 17 नवंबर को एक के बाद एक सिलसिलेवार ट्वीट करते हुए गुपकर गैंग पर जम कर हमला बोला और उस पर जम्मू - कश्मीर में विदेशी दखल देने का आरोप भी लगाया। उन्होंने गुपकर गैंग पर देशद्रोही गतिविधियों में शामिल होने का आरोप मढ़ते हुए उस पर तिरंगे का अपमान करने का इल्जाम भी लगाया।

श्री शाह ने कहा कि गुपकर गैंग ग्लोबल हो रहा है! वे चाहते हैं कि विदेशी ताकतें जम्मू और कश्मीर में हस्तक्षेप करे। गुपकर गैंग भारत के तिरंगे का भी अपमान करता है। गुपकर गठबंधन में शामिल एक दल के नेता कहते हैं कि वह चीन के साथ मिलकर अनुच्छेद 370 वापस लाएंगे जबकि दूसरे दल की नेता कहती हैं कि वह तिरंगा न उठाएंगी और न ही उठाने देंगी। एक चीन के साथ मिलना चाहता है और दूसरा तिरंगा नहीं उठाना चाहता है। इन सबके बीच कांग्रेस के नेता कहते हैं कि अनुच्छेद 370 हटाना अनुचित है और वे इसकी वापसी चाहते हैं। देश जानना चाहता है कि क्या कांग्रेस अध्यक्षा सोनिया गांधी और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी गुपकर गैंग की ऐसी नापाक चालों का समर्थन करते हैं? उन्हें भारत की जनता के सामने अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि कांग्रेस और गुपकर गैंग जम्मू-कश्मीर को आतंक और अशांति के युग में वापस ले जाना चाहते हैं। वे अनुच्छेद 370 को हटाकर दलितों, महिलाओं और आदिवासियों के अधिकारों को छीनना चाहते हैं। यही कारण है कि उन्हें हर जगह लोगों द्वारा अस्वीकार किया जा रहा है।

वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि जम्मू और कश्मीर हमेशा से भारत का अभिन्न था, है और रहेगा। भारतीय लोग अब राष्ट्रीय हित के विरुद्ध चलने वाले ऐसे अपवित्र 'ग्लोबल गठबंधन' को बर्दाश्त नहीं करेंगे। या तो गुपकर गैंग राष्ट्रीय मूड को समझ जाए या फिर लोग इसे स्वयं ही समाप्त कर देंगे।

• गुपकर गैंग ग्लोबल हो रहा है! वे चाहते हैं कि विदेशी ताकतें जम्मू और कश्मीर में हस्तक्षेप करे। गुपकर गैंग भारत के तिरंगे का भी अपमान करता है। गुपकर गठबंधन में शामिल एक दल के नेता कहते हैं कि वह चीन के साथ मिलकर अनुच्छेद 370 वापस लाएंगे जबकि दूसरे दल की नेता कहती हैं कि वह तिरंगा न उठाएंगी और न ही उठाने देंगी। एक चीन के साथ मिलना चाहता है और दूसरा तिरंगा नहीं उठाना चाहता है। इन सबके बीच कांग्रेस के नेता कहते हैं कि अनुच्छेद 370 हटाना अनुचित है और वे इसकी वापसी चाहते हैं।

श्री शाह ने कहा कि कांग्रेस हमेशा देश विरोधियों के साथ खड़ी नजर आती है। कश्मीर में गुपकर डिक्लेरेशन ऑफ पीपुल्स अलायंस हुआ है। इसमें 10 पार्टियां हैं, जिसमें प्रमुख रूप से नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी है और अब कांग्रेस भी उसमें आ रही है। ये जिला विकास परिषद (डीडीसी) के चुनाव के लिए साथ चल रहे हैं। इनका एक निश्चित एजेंडा है कि अनुच्छेद 370 को फिर से लागू किया जाना चाहिए। वे जम्मू-कश्मीर में भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम सहित कुछ कानून नहीं चाहते हैं ताकि वे भ्रष्टाचार जारी रख सकें। अब जबकि कांग्रेस गुपकर गठबंधन में शामिल हो गई है तो उसे यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि क्या वह इस नापाक गठबंधन के नेताओं के चीन से मदद लेने वाली बात और तिरंगा न उठाने वाली बात का समर्थन करते हैं या नहीं?

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि एक ओर देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' के सपने को साकार करते हुए जम्मू एवं कश्मीर के विकास में समर्पित हो कर लगे हुए हैं, वहीं दूसरी ओर कांग्रेस सहित कुछ विपक्षी राजनीतिक दल लगातार देश के खिलाफ काम कर रहे हैं। ■

देश को खाद्यान्न में सरप्लस बनाने में पंजाब-हरियाणा के किसानों का प्रमुख योगदान है: नरेंद्र सिंह तोमर

केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग, कृषि एवं किसान कल्याण, ग्रामीण विकास तथा पंचायत राज मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने 24 नवंबर को पंजाब के कपूरथला जिले के फगवाड़ा में सुखजीत मेगा फूड पार्क का वर्चुअल शुभारंभ किया। इस अवसर पर श्री तोमर ने कहा कि खेती-किसानी के क्षेत्र में पंजाब-हरियाणा की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। हमें गर्व है कि इन राज्यों के किसानों की अथक मेहनत के कारण भारत आज खाद्यान्न के क्षेत्र में आत्मनिर्भर ही नहीं, बल्कि सरप्लस है। पंजाब गेहूं व धान में अग्रणी रहा है लेकिन अब भू-जल स्तर कम होने से फसलों के विविधीकरण की आवश्यकता है, जिसके लिए पंजाब के किसानों ने सफलतापूर्वक कदम आगे बढ़ाए हैं।

उन्होंने कहा कि फूड प्रोसेसिंग पर भी पूरा ध्यान देना जरूरी है, जिससे किसानों को उचित मूल्य मिलेगा, वहीं सम्बद्ध क्षेत्रों को भी फायदा होगा। मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री श्री तोमर ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार किसानों की भलाई के लिए लगातार काम कर रही है। कृषि उपजों की एमएसपी को बढ़ाया गया है, 10 हजार नए एफपीओ बनाने की स्कीम सरकार लाई, किसानों को ब्याज सब्सिडी दी जा रही है, छोटे किसानों जिनकी संख्या 86 प्रतिशत है, उन्हें लाभ पहुंचाने पर पूरा ध्यान है। किसानों को एफपीओ के माध्यम से अनेक फायदे होंगे।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि एफपीओ भारत सरकार का एक बड़ा क्रांतिकारी कदम है। आत्मनिर्भर भारत अभियान में पैकेज के अंतर्गत 1 लाख करोड़ रुपये के कृषि इंफ्रास्ट्रक्चर फंड से स्वीकृतियां देना प्रारंभ हो चुका है, पंजाब को भी इसका फायदा उठाना चाहिए। फूड प्रोसेसिंग के विकास के लिए 10 हजार करोड़ रुपये का फंड बनाया

गया है, जिससे किसानों को वाजिब लाभ मिल सकेगा, वहीं रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। अभी तक 37 मेगा फूड पार्कों को केंद्र सरकार द्वारा मंजूरी दी गई है, जिनमें से 20 पूर्व में प्रारंभ हो चुके हैं।

कार्यक्रम में केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री श्री रामेश्वर तेली ने कहा कि मेगा फूड पार्क में विकसित की गई आधुनिकतम अवसंरचना और प्रसंस्करण सुविधाएं न केवल कृषि उत्पादों के नुकसान को कम करेगी, बल्कि मूल्यवर्धन भी सुनिश्चित करेगी।

विशेष अतिथि केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री श्री सोम प्रकाश ने कहा कि इस पार्क से आसपास के क्षेत्रों को काफी फायदा होगा। उन्होंने बताया कि सरकार का विकास पर फोकस है, जल्द ही इस क्षेत्र में फोरलेन सड़क का काम भी प्रारंभ होगा। ■

भारत का एआई सुपरकम्प्यूटर परम सिद्धी को विश्व के सर्वाधिक शक्तिशाली 500 नन-डिस्ट्रीब्यूटेड कम्प्यूटर प्रणालियों में 63वां स्थान मिला

सी-डैक के राष्ट्रीय सुपर-कम्प्यूटिंग मिशन (एनएसएम) के अंतर्गत बने उच्च कार्य प्रदर्शन वाले आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एचपीसी-एआई) सुपरकम्प्यूटर परम सिद्धी को विश्व के सर्वाधिक शक्तिशाली 500 नन-डिस्ट्रीब्यूटेड कम्प्यूटर प्रणालियों में 63वां स्थान प्राप्त हुआ है। रैंकिंग का परिणाम 16 नवम्बर, 2020 को जारी किया गया।

एआई प्रणाली एडवांस मैटेरियल, कम्प्यूटेशनल केमिस्ट्री तथा एस्ट्रोफिजिक्स जैसे क्षेत्रों में ऐप्लीकेशन विकास पैकेज को मजबूत बनाएगी। मिशन के अंतर्गत प्लेटफार्म पर ड्रग डिजाइन, रोकथाम करके वाली स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के लिए अनेक पैकेज विकसित किये जा रहे हैं। मुम्बई, दिल्ली, चेन्नई, पटना तथा गुवाहाटी जैसे बाढ़ की संभावना वाले शहरों के लिए बाढ़ पूर्वानुमान पैकेज विकसित किया जा रहा है। इससे कोविड-19 के विरुद्ध लड़ाई में अनुसंधान और विकास को तेज सिमुलेशन्स, मेडिकल इमेजिंग, जीनोम अनुक्रमण तथा पूर्वानुमान के माध्यम से तेजी आएगी। यह लोगों और स्टार्टअप तथा विशेष रूप से एमएसएमई के लिए वरदान है। ■

संपन्न हुआ मालाबार समुद्री अभ्यास 2020

यह अभ्यास भारत-प्रशांत के साथ-साथ एक नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय आदेश सहित स्वतंत्र, मुक्त और समावेशी समर्थन की प्रतिबद्धता को दर्शाता है

भारतीय नौसेना (आईएन) द्वारा दो चरणों में आयोजित मालाबार समुद्री अभ्यास के 24वें संस्करण का समापन 20 नवंबर, 2020 को अरब सागर हुआ। इस अभ्यास के प्रथम चरण का आयोजन भारतीय नौसेना (आईएन), संयुक्त राज्य अमेरिका की नौसेना (यूएसएन), जापान मैरीटाइम सेल्फ डिफेंस फोर्स (जेएमएसडीएफ) और रॉयल ऑस्ट्रेलियन नेवी (आरएएन) की भागीदारी में 3-6 नवंबर, 2020 तक विशाखापट्टनम से कुछ दूर बंगाल की खाड़ी में किया गया था। इसके दूसरे चरण का आयोजन 17-20 नवंबर, 2020 तक अरब सागर में किया गया।

मालाबार 2020 के प्रथम चरण में संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ भारतीय नौसेना की इकाइयों ने भाग लिया। इस अभ्यास में यूनाइटेड स्टेट्स शिप (यूएसएस) जॉन एस मैक्केन, हिज मैजेस्टी ऑफ ऑस्ट्रेलियन शिप (एचएमएएस) बल्लारत के साथ इंटीग्रिल एमएच-60 हेलीकॉप्टर और एसएच-60 हेलीकॉप्टर इंटीग्रिल के साथ जापान मैरीटाइम सेल्फ डिफेंस शिप (जेएमएसडीएफ) के ओनामी शामिल हुए। इस चरण में भारतीय नौसेना की भागीदारी रियर एडमिरल संजय वात्स्यायन, फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग ईस्टर्न फ्लीट के नेतृत्व में की गई थी और इसमें विध्वंसक रणविजय, स्वदेशी फ्रिगेट शिवालिक, ऑफशोर पेट्रोल वेसल सुकन्या, फ्लीट शिप शक्ति, पनडुब्बी सिंधुराज, पी8I, डोर्नियर समुद्री टोही विमान और अत्याधुनिक जेट प्रशिक्षक हॉक शामिल हुए।

> **दोहरे कैरियर अभियानों के अलावा उन्नत सतह और पनडुब्बी रोधी युद्ध अभ्यास के साथ-साथ मालाबार 2020 के दोनों चरणों के दौरान चार मित्र नौसेनाओं के बीच तालमेल, समन्वय और अंतर-संचालन क्षमता का प्रदर्शन भी किया गया।**

मालाबार अभ्यास 2020 के दूसरे चरण के दौरान चार नौसेनाओं ने भारतीय नौसेना के विक्रमादित्य कैरियर बैटल ग्रुप और यूएस नेवी के निमित्ज़ कैरियर स्ट्राइक ग्रुप पर केंद्रित संयुक्त अभियानों में भाग लिया। दो विमान वाहकों, अन्य जहाजों, पनडुब्बी और भाग लेने वाले नौसेना के विमानों के साथ विक्रमादित्य के एमआईजी 29के और एफ/ए-18 लडाकू विमानों निमित्ज़ से ई2सी हॉकआई के द्वारा क्रॉस-डेक उड़ान संचालन और उन्नत वायु रक्षा अभ्यास सहित उच्च तीव्रतायुक्त नौसैनिक संचालनों को अंजाम दिया गया। अमेरिकी नौसेना के स्ट्राइक कैरियर निमित्ज में पी8ए समुद्री टोही विमान के अलावा क्रूजर प्रिंसटन और विध्वंसक स्टीरियो शामिल थे। रॉयल ऑस्ट्रेलियन नेवी और जेएमएसडीएफ का प्रतिनिधित्व क्रमशः इंटीग्रिल हेलीकाप्टरों के साथ-साथ फ्रिगेट बल्लाराट और विध्वंसक मुरासेम के द्वारा किया गया।

दूसरे चरण में भारतीय नौसेना की भागीदारी का नेतृत्व पश्चिमी बेड़े के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग रियर एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने किया और इसमें विमान वाहक विक्रमादित्य, स्वदेशी विध्वंसक कोलकाता और चेन्नई शामिल थे। अभ्यास में स्टील्थ फ्रिगेट तलवार, फ्लीट सपोर्ट शिप दीपक युद्धपोतों के अलावा इंटीग्रिल हेलीकॉप्टर, स्वदेशी तौर पर निर्मित पनडुब्बी खंडेरी और पी8I और आईएल-38 समुद्री टोही विमान भी शामिल हुए।

दोहरे कैरियर अभियानों के अलावा उन्नत सतह और पनडुब्बी रोधी युद्ध अभ्यास के साथ-साथ मालाबार 2020 के दोनों चरणों के दौरान चार मित्र नौसेनाओं के बीच तालमेल, समन्वय और अंतर-संचालन क्षमता का प्रदर्शन भी किया गया।

मालाबार अभ्यास की श्रृंखला के शुभांरभ में भारत और अमेरिका के बीच एक वार्षिक द्विपक्षीय नौसैनिक अभ्यास के रूप में 1992 में किया गया था। इन वर्षों के दौरान दोनों देशों की नौसेनाओं के बीच दायरे और महत्वपूर्ण कठिन अभ्यासों को बढ़ाया गया है। कोविड-19 महामारी की पृष्ठभूमि में मालाबार अभ्यास के 24वें संस्करण में भाग लेने वाले देशों के नौसैनिकों ने समुद्र में भी दूरी बनाए रखने के दिशा-निर्देशों का पालन किया। ■

भारत में कार्बन उत्सर्जन को 30-35 प्रतिशत कम करना हमारा उद्देश्य: प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के गांधीनगर में पंडित दीनदयाल पेट्रोलियम विश्वविद्यालय के 8वें दीक्षांत समारोह में भाग लिया। उन्होंने 45 मेगावाट के उत्पादन संयंत्र मोनोक्रिस्टलाइन सोलर फोटोवोल्टिक पैनल और जल प्रौद्योगिकी उत्कृष्टता केन्द्र की आधारशिला रखी। श्री मोदी ने विश्वविद्यालय में 'अभिनव और उद्भवन केन्द्र-प्रौद्योगिकी व्यापार इनक्यूबेशन', 'ट्रांसलेशनल अनुसंधान केन्द्र' और 'खेल परिसर' का भी उद्घाटन किया।

प्रधानमंत्री ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे समय में स्नातक होना आसान बात नहीं है जब विश्व इतने बड़े संकट का सामना कर रहा है, लेकिन उनकी क्षमताएं इन चुनौतियों से बहुत बड़ी हैं। उन्होंने कहा कि छात्र इस उद्योग में ऐसे समय में प्रवेश कर रहे हैं जब महामारी के कारण दुनिया भर में ऊर्जा क्षेत्र में व्यापक बदलाव हो रहे हैं।

- **अगले पांच वर्षों में तेल शोधन क्षमता को दोगुना करने का कार्य जारी है, ऊर्जा सुरक्षा से संबंधित स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत किया जा रहा है और छात्रों और पेशेवरों के लिए एक कोष बनाया गया है।**
- **दुनिया की आशाएं और अपेक्षाएं 21वीं सदी में भारत से अधिक हैं और भारत की आशाएं और अपेक्षाएं छात्रों और पेशेवरों के साथ जुड़ी हुई हैं।**

श्री मोदी ने कहा कि इस दृष्टि से आज भारत के ऊर्जा क्षेत्र में वृद्धि, उद्यमिता और रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने बताया कि आज देश अपने कार्बन उत्सर्जन को 30-35 प्रतिशत तक कम करने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहा है और इस दशक में हमारी ऊर्जा जरूरतों में प्राकृतिक गैस की हिस्सेदारी को बढ़ाने के लिए प्रयास किए गए हैं।

प्रधानमंत्री ने जानकारी दी कि अगले पांच वर्षों में तेल शोधन क्षमता को दोगुना करने का कार्य जारी है, ऊर्जा सुरक्षा से संबंधित स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत किया जा रहा है और छात्रों और पेशेवरों के लिए एक कोष बनाया गया है।

श्री मोदी ने छात्रों से जीवन में एक उद्देश्य के साथ आगे बढ़ने की अपील की। उन्होंने बल देते हुए कहा कि ऐसा नहीं है कि सफल लोगों के पास समस्याएं नहीं हैं, लेकिन जो चुनौतियों को स्वीकार करता है, उनका सामना करता है, उन्हें हराता है, समस्याओं को हल करता है, केवल वही सफल होता है। उन्होंने कहा कि जो लोगों चुनौतियों का सामना करते हैं, बाद में वही जीवन में सफल होते हैं।

श्री मोदी ने कहा कि 1922-47 के दौर के युवाओं ने आजादी के लिए अपना सब कुछ कुर्बान कर दिया। उन्होंने छात्रों से देश के लिए जीने और आत्मनिर्भर भारत के आंदोलन से जुड़ने के साथ-साथ जिम्मेदारी की भावना विकसित करने का आग्रह किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सफलता का बीज ज़िम्मेदारी की भावना में निहित है और ज़िम्मेदारी की भावना को जीवन के उद्देश्य में बदल देना चाहिए। उन्होंने कहा कि वही लोग जीवन में सफल होते हैं, जो कुछ ऐसा करते हैं जिससे उन्हें जीवन में जिम्मेदारी का अहसास होता है और असफल होने वाले लोग वह होते हैं जो हमेशा एक बोझ तले जीवन जीते हैं।

श्री मोदी ने कहा कि जिम्मेदारी की भावना भी एक व्यक्ति के जीवन में अवसर की भावना को जन्म देती है। उन्होंने कहा कि भारत कई क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा है और युवा स्नातकों को प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ना चाहिए। प्रधानमंत्री ने प्रकृति और पर्यावरण की रक्षा पर भी जोर दिया।

श्री मोदी ने 21वीं सदी के युवाओं की वर्तमान पीढ़ी से स्पष्ट योजना के साथ आगे बढ़ने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि क्लीन स्लेट और क्लीन हार्ट का मतलब स्पष्ट इरादों से है। उन्होंने कहा कि दुनिया की आशाएं और अपेक्षाएं 21वीं सदी में भारत से अधिक हैं और भारत की आशाएं और अपेक्षाएं छात्रों और पेशेवरों के साथ जुड़ी हुई हैं। ■

सभी आध्यात्मिक गुरुओं को आत्मनिर्भर भारत के लाभों का करना चाहिए प्रचार: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री ने श्री विजय वल्लभ सुरिश्वर जी महाराज की प्रतिमा का अनावरण किया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 16 नवंबर को वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए जैनाचार्य श्री विजय वल्लभ सुरिश्वर जी महाराज की 151वीं जयंती के उपलक्ष्य में शांति की प्रतिमा का अनावरण किया। जैनाचार्य के सम्मान में बनाई गई इस प्रतिमा को शांति की प्रतिमा का नाम दिया गया है। अष्टधातु से निर्मित 151 इंच ऊंची यह प्रतिमा आठ धातुओं से निर्मित है जिसमें तांबा मुख्य धातु है। यह प्रतिमा राजस्थान के पाली में जेतपुरा में विजय वल्लभ साधना केन्द्र में स्थापित की गई है।

प्रधानमंत्री ने जैनाचार्य के अलावा समारोह में उपस्थित सभी धर्मगुरुओं के प्रति सम्मान प्रदर्शित किया। उन्होंने इस अवसर पर सरदार पटेल और जैनाचार्य विजय वल्लभ सुरिश्वर जी महाराज का जिक्र करते हुए कहा कि वह सरदार पटेल को विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी समर्पित करने के बाद अब जैनाचार्य के नाम पर शांति की प्रतिमा का अनावरण करने का अवसर पाकर खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं।

वोकल फॉर लोकल पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि जिस तरह से स्वाधीनता आंदोलन के दौरान हुआ था उसी तरह से इस समय भी सभी आध्यात्मिक गुरुओं को आत्मनिर्भर भारत के लाभों का प्रचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि दीपावली के अवसर पर जिस तरह से देश ने स्वदेशी वस्तुओं के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया वह काफी उत्साहजनक अनुभव है।

• आचार्य विजय वल्लभ जी के हृदय में सभी जीवों के लिए दया, सहिष्णुता और प्रेम की भावना थी। उनके आशीर्वाद से ही आज देशभर में पक्षियों के अस्पताल और गौशालाएं चल रही हैं। ये सामान्य संस्थाएं नहीं हैं। ये संस्थाएं भारतीय मूल्यों और भावनाओं का सही प्रतिनिधित्व करती हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने दुनिया को हमेशा से शांति, अहिंसा और भाईचारे का मार्ग दिखाया है। आज पूरा विश्व फिर से ऐसे पथ प्रदर्शन के लिए भारत की ओर देख रहा है। अगर हम इतिहास को देखें तो पाएंगे कि जब कभी आवश्यकता हुई समाज को रास्ता दिखाने के लिए किसी न किसी संत का प्रार्दुभाव हुआ। आचार्य विजय वल्लभ इन्हीं महापुरुषों में से एक थे।

जैनाचार्य की ओर से स्थापित शिक्षण संस्थाओं का जिक्र करते हुए श्री मोदी ने शिक्षा के क्षेत्र में देश को आत्मनिर्भर बनाने के उनके प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि जैनाचार्य ने पंजाब, गुजरात, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में भारतीय मूल्यों के साथ इन संस्थाओं की स्थापना की। उन्होंने कहा कि इन संस्थाओं ने देश को एक से एक शिक्षाविद्, न्यायविद्, डॉक्टर और इंजीनियर दिए हैं जिन्होंने राष्ट्र के प्रति अपनी बड़ी सेवाएं दी हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इन संस्थाओं ने महिलाओं की शिक्षा के क्षेत्र में भी बड़ा योगदान किया है। इन संस्थाओं ने कठिन घड़ी में भी महिलाओं की शिक्षा की अलख को जगाए रखा। उन्होंने कहा कि जैनाचार्य ने बालिकाओं के लिए भी कई शिक्षा संस्थान खोले और महिलाओं को मुख्य धारा से जोड़ने का प्रयास किया।

श्री मोदी ने कहा कि आचार्य विजय वल्लभ जी के हृदय में सभी जीवों के लिए दया, सहिष्णुता और प्रेम की भावना थी। उनके आशीर्वाद से ही आज देशभर में पक्षियों के अस्पताल और गौशालाएं चल रही हैं। ये सामान्य संस्थाएं नहीं हैं। ये संस्थाएं भारतीय मूल्यों और भावनाओं का सही प्रतिनिधित्व करती हैं। ■

प्रधानमंत्री ने दो आयुर्वेद संस्थान राष्ट्र को किए समर्पित

आयुर्वेद एक भारतीय विरासत है और भारत का यह पारंपरिक ज्ञान अन्य देशों को भी समृद्ध कर रहा है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 5वें आयुर्वेद दिवस पर 13 नवंबर को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भविष्य के लिए तैयार दो आयुर्वेद संस्थान राष्ट्र को समर्पित किए। आयुर्वेद शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (आईटीआरए), जामनगर और राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (एनआईए), जयपुर इनमें शामिल हैं। दोनों संस्थान देश में अग्रणी संस्थान हैं। संसद के एक अधिनियम द्वारा आईटीआरए, जामनगर को राष्ट्रीय महत्व के संस्थान का दर्जा दिया गया है और एनआईए, जयपुर को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा एक मान्य विश्वविद्यालय का दर्जा दिया गया है। आयुष मंत्रालय 2016 से धन्वंतरि जयंती (धनतेरस) के अवसर पर हर साल 'आयुर्वेद दिवस' मना रहा है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक डॉ. टेड्रोस अदनोम घेब्रेयसस ने इस अवसर पर एक वीडियो संदेश दिया और आयुष्मान भारत के तहत व्यापक कवरेज के लिए प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता और स्वास्थ्य संबंधी उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए पारंपरिक दवाओं के प्रमाण-आधारित प्रचार की सराहना की। ग्लोबल सेंटर ऑफ ट्रेडिशनल मेडिसिन के लिए भारत के चयन को लेकर प्रधानमंत्री ने विश्व स्वास्थ्य संगठन तथा उसके महानिदेशक को धन्यवाद दिया।

उन्होंने कहा कि आयुर्वेद एक भारतीय विरासत है और यह खुशी की बात है कि भारत का पारंपरिक ज्ञान अन्य देशों को भी समृद्ध कर रहा है।

श्री मोदी ने आयुर्वेद के ज्ञान को पुस्तकों, शास्त्रों और घरेलू उपचारों से बाहर लाने और आधुनिक आवश्यकताओं के अनुसार इस प्राचीन ज्ञान को विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि हमारे प्राचीन चिकित्सा ज्ञान के साथ 21वीं सदी के आधुनिक विज्ञान से प्राप्त जानकारी को मिलाकर देश में नए अनुसंधान किए जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि तीन साल पहले अखिल भारतीय आयुर्वेदिक संस्थान यहां स्थापित किया गया था। आयुर्वेद आज केवल एक विकल्प नहीं है, बल्कि देश की स्वास्थ्य नीति का एक महत्वपूर्ण आधार है।

श्री मोदी ने बताया कि लेह में सोवा-रिग्पा से संबंधित अनुसंधान और अन्य अध्ययनों के लिए राष्ट्रीय सोवा-रिग्पा संस्थान विकसित करने पर काम चल रहा है। आज गुजरात और राजस्थान में जिन दो संस्थानों का उन्नयन किया गया है, वे भी इस विकास का विस्तार हैं।

दोनों संस्थानों को उनके उन्नयन के लिए बधाई देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उनके पास अब अधिक जिम्मेदारी है और आशा है कि वे आयुर्वेद पाठ्यक्रम तैयार करेंगे, जो अंतरराष्ट्रीय मानक को पूरा करता है। उन्होंने शिक्षा मंत्रालय और यूजीसी का आह्वान करते हुए कहा कि आयुर्वेद भौतिक विज्ञान और आयुर्वेद रसायन विज्ञान जैसे विषयों में नए अवसरों की तलाश की जाए।

श्री मोदी ने वैश्विक रुझानों और मांगों का अध्ययन करने के लिए स्टार्टअप और निजी क्षेत्र का भी आह्वान करते हुए कहा कि वे इस क्षेत्र में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा प्रणाली आयोग और राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग की स्थापना इस सत्र में संसद द्वारा की गई थी और राष्ट्रीय शिक्षा नीति भी एक एकीकृत दृष्टिकोण को बढ़ावा देती है। इस नीति की मूल धारणा यह है कि आयुर्वेदिक शिक्षा में एलोपैथिक परंपराओं का ज्ञान अनिवार्य होना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने बताया कि कोरोना अवधि के दौरान पूरी दुनिया में आयुर्वेदिक उत्पादों की मांग तेजी से बढ़ी है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष सितम्बर में आयुर्वेदिक उत्पादों के निर्यात में लगभग 45 प्रतिशत की वृद्धि हुई। श्री मोदी ने कहा कि रोग प्रतिरक्षक मानी जाने वाली हल्दी, अदरक जैसे भारतीय

मसालों के निर्यात में महत्वपूर्ण वृद्धि से यह पता चलता है कि विश्व भर में आयुर्वेदिक समाधानों में लोगों का विश्वास अचानक बढ़ा है।

उन्होंने कहा कि अब कई देशों में हल्दी से संबंधित विशेष पेय भी बढ़ रहे हैं और दुनिया की प्रतिष्ठित चिकित्सा पत्रिकाओं को भी आयुर्वेद में नई आशा दिखाई दे रही है। श्री मोदी ने कहा कि इस कोरोना अवधि के दौरान हमारा ध्यान केवल आयुर्वेद के उपयोग तक ही सीमित नहीं था, बल्कि देश और दुनिया में आयुष से संबंधित अनुसंधान को आगे बढ़ाने पर भी था।

प्रधानमंत्री ने कहा कि एक तरफ भारत टीकों का परीक्षण कर रहा है, दूसरी तरफ यह कोविड से लड़ने के लिए आयुर्वेदिक अनुसंधान पर अंतरराष्ट्रीय सहयोग भी बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि इस समय अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान दिल्ली सहित सौ से अधिक स्थानों पर 80,000 दिल्ली पुलिसकर्मियों पर प्रतिरक्षण से संबंधित अनुसंधान चल रहा है। यह दुनिया का सबसे बड़ा सामूहिक अध्ययन हो सकता है और इसके उत्साहजनक परिणाम सामने आ सकते हैं। श्री मोदी ने कहा कि आने वाले दिनों में कुछ और अंतरराष्ट्रीय परीक्षण शुरू किए जाएंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज आयुर्वेदिक दवाओं, जड़ी-बूटियों के साथ-साथ रोग प्रतिरक्षण बढ़ाने वाले पौष्टिक खाद्य पदार्थों पर विशेष जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज किसानों को गंगा के किनारे और हिमालयी क्षेत्रों में मोटे अनाज के साथ-साथ जैविक उत्पादों का उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आयुष मंत्रालय भारत के लिए एक व्यापक योजना पर काम कर रहा है ताकि दुनिया की भलाई में अधिक से अधिक योगदान हो, हमारे निर्यात में भी वृद्धि होनी चाहिए और हमारे किसानों की आय भी बढ़नी चाहिए। उन्होंने बताया कि कोविड महामारी की शुरुआत के बाद अश्वगंधा, गिलोय, तुलसी आदि आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों के दाम बहुत बढ़ गए हैं। अश्वगंधा की कीमत पिछले साल की तुलना में दोगुनी हो गई है और जड़ी-बूटियों की खेती करने वाले हमारे किसानों को इसका सीधा लाभ पहुंच रहा है।

प्रधानमंत्री ने कृषि मंत्रालय, आयुष मंत्रालय या अन्य विभागों से भारत में उपलब्ध कई जड़ी-बूटियों की उपयोगिता के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने का आग्रह किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि आयुर्वेद से संबंधित संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र के विकास से देश में स्वास्थ्य और कल्याण से संबंधित पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

श्री मोदी ने कामना करते हुए कहा कि आज जामनगर और जयपुर में जिन दो संस्थानों का उद्घाटन किया गया है, वे इस दिशा में भी लाभदायक साबित होंगे।

आईटीआरए, जामनगर

संसद के एक अधिनियम द्वारा हाल में स्थापित आयुर्वेद शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (आईटीआरए) विश्व स्तर की स्वास्थ्य सेवा संस्थान के रूप में उभर सकता है। आईटीआरए में 12 विभाग, तीन नैदानिक प्रयोगशालाएं और तीन अनुसंधान प्रयोगशालाएं हैं। यह पारंपरिक चिकित्सा के क्षेत्र में अनुसंधान कार्य में अग्रणी है और फिलहाल यह 33 अनुसंधान परियोजनाओं का संचालन कर रहा है।

अत्याधुनिक प्रयोगशाला सुविधाओं के साथ एनआईए भी अनुसंधान गतिविधियों में अग्रणी रहा है। वर्तमान में यह 54 विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं का संचालन करता है। मान्य विश्वविद्यालय के दर्जे के साथ यह राष्ट्रीय संस्थान तृतीयक स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा और अनुसंधान में उच्चतम मानकों को प्राप्त करके नई ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए तैयार है।

गुजरात आयुर्वेद विश्वविद्यालय परिसर, जामनगर में चार आयुर्वेद संस्थानों के समूह को मिलाकर आईटीआरए का गठन किया गया है। यह आयुष क्षेत्र में पहला संस्थान है, जिसके पास राष्ट्रीय महत्व का संस्थान का दर्जा है। उन्नत दर्जे के साथ आईटीआरए को आयुर्वेद शिक्षा के मानक को उन्नत करने की स्वायत्तता होगी, क्योंकि यह आधुनिक, अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार पाठ्यक्रम उपलब्ध करेगा। इसके अलावा, यह अंतःविषय सहयोग के बारे में आयुर्वेद को समसामयिक तौर पर जोर देने के लिए प्रेरित करेगा।

एनआईए, जयपुर

देश में व्यापक ख्याति वाले आयुर्वेद संस्थान, एनआईए को मान्य विश्वविद्यालय का दर्जा प्राप्त है। पिछले कुछ दशकों में प्रामाणिक आयुर्वेद को संरक्षित करने, बढ़ावा देने और आगे बढ़ाने में एनआईए के 175 साल की विरासत का योगदान महत्वपूर्ण है। फिलहाल एनआईए के पास 14 विभिन्न विभाग हैं। संस्थान में 2019-20 के दौरान 955 छात्रों और 75 संकायों के साथ छात्र-शिक्षक का एक बहुत अच्छा अनुपात है। यह प्रमाण-पत्र से डॉक्टरेट स्तर तक के आयुर्वेद में कई पाठ्यक्रम चलाता है।

अत्याधुनिक प्रयोगशाला सुविधाओं के साथ एनआईए भी अनुसंधान गतिविधियों में अग्रणी रहा है। वर्तमान में यह 54 विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं का संचालन करता है। मान्य विश्वविद्यालय के दर्जे के साथ यह राष्ट्रीय संस्थान तृतीयक स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा और अनुसंधान में उच्चतम मानकों को प्राप्त करके नई ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए तैयार है। ■

कोविड महामारी दूसरे विश्व युद्ध के बाद की सबसे बड़ी चुनौती है: नरेन्द्र मोदी

शिखर सम्मेलन में कोविड महामारी पर काबू पाने, आर्थिक सुधार लाने और नौकरियों को बहाल करने तथा एक समावेशी, टिकाऊ और लचीला भविष्य बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 21-22 नवंबर, 2020 को सऊदी अरब द्वारा आयोजित 15वें जी20 शिखर सम्मेलन में भाग लिया। इस शिखर सम्मेलन में 19 सदस्य राष्ट्रों से संबंधित शासनाध्यक्षों/राष्ट्राध्यक्षों, यूरोपीय संघ, अन्य आमंत्रित देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने हिस्सा लिया। कोविड-19 महामारी के मद्देनजर यह शिखर सम्मेलन वर्चुअल माध्यम से संचालित किया गया।

प्रधानमंत्री ने सऊदी अरब के शासक और उनके नेतृत्व को इस वर्ष जी20 की सफल अध्यक्षता के लिए बधाई दी तथा 2020 में कोविड-19 महामारी द्वारा उत्पन्न चुनौतियों और बाधाओं के बावजूद वर्चुअल माध्यम से दूसरे जी20 शिखर सम्मेलन का सफल आयोजन करने के लिए सराहना की।

सऊदी अरब की अध्यक्षता के तहत आयोजित इस शिखर सम्मेलन का मुख्य विषय था- सभी को 21वीं सदी में अवसर प्रदान करना। इस सम्मेलन में मुख्य रूप से कोविड-19 महामारी से निपटने पर अधिक ध्यान केन्द्रित किया गया। दो दिन के इस शिखर सम्मेलन के मुख्य एजेंडा के अनुसार दो सत्र आयोजित किये गए। इस दौरान कोविड महामारी पर काबू पाने, आर्थिक सुधार लाने और नौकरियों को बहाल करने तथा एक समावेशी, टिकाऊ और लचीला भविष्य बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि कोरोना महामारी मानव इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ है और कोविड महामारी दूसरे विश्व युद्ध के बाद की सबसे बड़ी चुनौती है। उन्होंने कहा कि जी20 देशों को अपनी चर्चा को सिर्फ़ अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने, रोजगार और व्यापार तक न रखकर पृथ्वी के संरक्षण पर भी विमर्श करना चाहिए। उन्होंने इसके लिए निर्णायक कार्रवाई का आह्वान किया और कहा कि हम सभी मानवता के भविष्य के न्यासी हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कोरोना से उबरने के बाद नया वैश्विक सूचकांक बनाने की आवश्यकता होगी, जिसमें चार प्रमुख तत्व शामिल हैं। इसके अनुसार प्रतिभाओं का विशाल पूल का निर्माण हो, तकनीक की पहुंच समाज के हर वर्ग तक हो जाये, पारदर्शी शासन व्यवस्था हो और पृथ्वी के संरक्षण का भाव हो। इन चारों बातों का ध्यान में रखकर ही जी20 के देश एक नए विश्व की आधारशिला रख सकते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले दशकों में पूंजी और वित्त पर अधिक जोर रहा है, लेकिन अब मल्टी-स्किलिंग और री-स्किलिंग पर जोर देने का समय आ गया है ताकि मानव प्रतिभाओं का विशाल पूल तैयार हो सके। यह न केवल नागरिकों की गरिमा को बढ़ाएगा, बल्कि हमारे नागरिकों के सामने आने वाले संकटों का सामना करने के लिए उन्हें अधिक लचीला बनाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि नई तकनीक का कोई भी आकलन जीवन को आसान बनाने तथा जीवन की गुणवत्ता पर पड़ने वाले इसके प्रभाव पर आधारित होना चाहिए।

श्री मोदी ने शासन व्यवस्था में पारदर्शिता बढ़ाने की अपील की, ताकि लोगों में आत्मविश्वास बढ़ाया जा सके और वे सभी साझा चुनौतियों से मुकाबले के लिए प्रेरित हों। उन्होंने यह भी कहा कि हमें स्वयं को पर्यावरण और प्रकृति का स्वामी न समझकर उसका संरक्षक बनना चाहिए। यह हमें एक समग्र और स्वस्थ जीवन शैली की ओर प्रेरित करेगा, इसके एक सिद्धांत का बेंचमार्क प्रति कैपिटा कार्बन फुटप्रिंट हो सकता है।

> • अब घर से ही काम को निपटाना व्यवहार में आ गया है, इसलिए जी20 देशों को एक वर्चुअल सचिवालय का गठन करना चाहिए, जिसमें दस्तावेजों का संग्रहण हो सकें।

प्रधानमंत्री ने सलाह दी कि अब घर से ही काम को निपटाना व्यवहार में आ गया है, इसलिए जी20 देशों को एक वर्चुअल सचिवालय का गठन करना चाहिए, जिसमें दस्तावेजों का संग्रहण हो सकें।

'किसी को भी पीछे नहीं छोड़ना' है

जी20 शिखर सम्मेलन के दूसरे दिन का एजेंडा एक समावेशी, स्थायी और बेहतर भविष्य बनाने और धरती को सुरक्षित रखने को लेकर एक साइड इवेंट पर केंद्रित था।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आगे सतत् विकास लक्ष्यों के लिए एजेंडा 2030 के महत्व को रेखांकित किया, जिसका उद्देश्य 'किसी को भी पीछे नहीं छोड़ना' है। उन्होंने कहा कि भारत आगे बढ़ने के लिए 'रिफॉर्म-परफॉर्म-ट्रांसफॉर्म' के उसी सिद्धांत का पालन और समावेशी विकास के प्रयास कर रहा है, जो सहभागी हो।

प्रधानमंत्री ने 2021 में जी20 प्रेसिडेंसी संभालने को लेकर इटली का स्वागत किया। यह निर्णय लिया गया है कि जी20 की प्रेसिडेंसी 2022 में इंडोनेशिया, 2023 में भारत और 2024 में ब्राजील के पास होगी।

शिखर सम्मेलन के अंत में जी20 नेताओं का एक घोषणापत्र जारी किया गया, जिसमें एक समन्वित वैश्विक कार्रवाई, एकजुटता और बहुपक्षीय सहयोग का आह्वान किया गया जिससे वर्तमान चुनौतियों को दूर कर और लोगों को सशक्त बनाकर, ग्रह की सुरक्षा, नई संभावनाओं को आकार देकर सभी के लिए 21वीं सदी के अवसरों को प्राप्त किया जा सके। ■

मृदुला सिन्हा : वात्सल्य की साक्षात् मूर्ति

आर.के. सिन्हा

18 नवम्बर 2020 का दिन भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के लिए खासकर बिहार से जुड़े लोगों के लिए अत्यंत ही दुःखद रहा, जब मृदुला भाभी (गोवा की पूर्व राज्यपाल मृदुला सिन्हा) का देहावसान हो गया। सुबह लगभग 7 बजे ही बिहार की नव-नियुक्त उप-मुख्यमंत्री श्रीमती रेणु देवी का फोन आया और उन्होंने चिंता भरे लहजे में भोजपुरी में मुझे कहा, "भईया, मामी के हालत सिरियस हो गेईल वा।" वे मृदुला जी को मामी कहा करती थी। मृदुला जी मेरे लिए मेरी प्रिय भाभी थी। इसी प्रकार देश भर के हजारों कार्यकर्ताओं की वे किसी की भाभी, किसी की चाची, किसी की दीदी, किसी की ताई, किसी की नानी, किसी की दादी, न जाने क्या-क्या थी। वे वात्सल्य की साक्षात् मूर्ति एक ऐसी भारतीय विदुषी नारी थी, जिसकी कल्पना भारतीय संस्कृति में आदर्श पत्नी, आदर्श माता और आदर्श सामाजिक कार्यकर्ता तथा कुशल गृहणी के रूप किया जाता रहा है।

मृदुला भाभी के हृदय में भारतीय संस्कृति और खासकर बिहार की और मिथिला की लोक संस्कृति रोम-रोम में बसी हुई थी। वे उस क्षेत्र से आती थी, जिसके बहुत पास ही सीतामढ़ी में जनक पुत्री सीता जी का जन्म स्थान हैं। यह संयोग ही कहा जायेगा कि राजा रामचन्द्र की पत्नी सीता पर गहन शोध कर एक अद्भुत उपन्यास लिखने का श्रेय भी मृदुला भाभी को ही जाता है। उस अद्भुत उपन्यास का नाम है 'सीता पुनि बोली।' सीता के चरित्र का, सीता की मनोदशा का, उनकी अंतर्व्यथा का, सीता की विडंबनाओं का, सीता के समक्ष उपस्थित समस्याओं और उसके निदान का जिस प्रकार से रोचक वर्णन डा. श्रीमती मृदुला सिन्हा ने 'सीता पुनि बोली' में किया है, उसे पढ़कर कई बार ऐसा लगता है कि वह अपने ही चरित्र का वर्णन कर रही हैं। वे स्वयं भी मिथिला की ही तो थीं। मृदुला सिन्हा जी बाल्यकाल से ही ऐसी संस्कारों में पली-बढीं, कि उनके संस्कारों और उनकी रुचि में लोक संस्कृति, लोक साहित्य, लोक कथाओं और लोक गीतों का समन्वय गहराई से पनप गया।

• मृदुलाजी वात्सल्य की साक्षात् मूर्ति एक ऐसी भारतीय विदुषी नारी थी, जिसकी कल्पना भारतीय संस्कृति में आदर्श पत्नी, आदर्श माता और आदर्श सामाजिक कार्यकर्ता तथा कुशल गृहणी के रूप किया जाता रहा है।

उन दिनों लड़कियों को होस्टल में रखकर पढ़ाने वाले ग्रामीण परिवार कम ही होते थे। किन्तु, मृदुला जी के पिता जी ने उन्हें बाल्यावस्था में ही बिहार के ही लखीसराय के बालिका विद्यापीठ में पढ़ने के लिए भेज दिया था। यह विद्यापीठ उन दिनों इतना उच्च कोटि का और अच्छा शिक्षण संस्थान था कि उसे बिहार का 'वनस्थली' कह कर पुकारा जाता था। मृदुला जी जब बी.ए. की पढ़ाई कर रही थी तभी उनका विवाह डॉ. रामकृपाल सिन्हा जी से हो गया, जो मुजफ्फरपुर में बिहार विश्वविद्यालय के एक कॉलेज में अंग्रेजी के प्राध्यापक थे। लेकिन, डॉ. राम कृपाल सिन्हा के प्रोत्साहन से न केवल उन्होंने बी.ए. की परीक्षा पास की बल्कि एम.ए. भी किया और उन्हीं के प्रोत्साहन से लोक कथाओं को लिखना शुरू किया, जो कि साप्ताहिक हिन्दुस्तान, नवभारत टाईम्स, धर्मयुग, माया, मनोरमा आदि पत्र-पत्रिकाओं में लगातार छपती रही। बाद में इन लोक कथाओं को दो खण्डों में 'बिहार की लोक कथाओं' के नाम से प्रकाशन किया गया। 1968 में डा. रामकृपाल सिन्हा भाई साहब एम.एल.सी. होकर पटना आये। मैं भागलपुर में आयोजित वर्ष 1966 के संघ शिक्षा वर्ग पूरा कर पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के आशीर्वाद से भारतीय जनसंघ में शामिल हो

गया था। मैं पटना महानगर के एक सामान्य सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में कार्य कर रहा था। साथ ही हिन्दुस्थान समाचार में रिपोर्टर भी था। पटना महानगर में बाहर से जो भी प्रमुख कार्यकर्ता पटना आते थे, उनकी देखभाल की जिम्मेवारी सामान्यतः मुझे ही दी जाती थी। इस कारण मैं रामकृपाल भाई साहब के संपर्क में 1968 में आया। जब बिहार में 1971 में कर्पूरी ठाकुर जी के नेतृत्व में संयुक्त विधायक दल की सरकार बनी तो जनसंघ से डॉ. रामकृपाल सिन्हा जी कैबिनेट मंत्री भी बने। अप्रैल 1974 में जब उनका एम.एल.सी. का कार्यकाल समाप्त हुआ तब रामकृपाल भाई साहब भारतीय जनसंघ के टिकट पर राज्यसभा के सदस्य निर्वाचित होकर दिल्ली आ गये। 1977 में जब जनता पार्टी की सरकार बनी तब रामकृपाल सिन्हा जी को मोरारजी देसाई मंत्रीमंडल में संसदीय कार्य मंत्रालय एवं श्रम मंत्रालय में राज्यमंत्री बनाया गया। 1980 में जब इनका राज्य सभा का कार्यकाल समाप्त हो गया, तो वे वापस मुजफ्फरपुर जाकर बिहार विश्वविद्यालय में पढ़ाने लगे। किन्तु, मृदुला भाभी दिल्ली में ही रह गई। क्योंकि, तीनों बच्चे नवीन, प्रवीण और लिली छोटे थे और दिल्ली में ही पढ़ रहे थे। उसी समय बिहार प्रदेश के संगठन मंत्री श्री अश्विनी कुमार जी राज्यसभा में आ गये थे और रफी मार्ग पर विट्ठलभाई पटेल भवन में 301 और 302 न. कमरों में रहते थे। मृदुला भाभी और उनके बच्चे 302 नं. के कमरे में आ गये। माननीय अश्विनी कुमार जी ने 301 नं. कमरा के बालकोनी को घेरकर एक छोटा सा कमरा बनवा लिया था और उसी में रहने लगे। हम पटना के कार्यकर्ता जब दिल्ली जाते थे तो 301 नं कमरे में जिसमें एक सोफा और एक बेड लगा हुआ था उसी पर सोते थे। 302 नं. कमरे में हमसबों का भोजन बनता था। भोजन, जलपान, चाय नास्ता आदि की पूरी जिम्मेवारी मृदुला भाभी जी ने अपने ऊपर उठा रखा था। चाहे हम पटना से दो या चार लोग भी जाये, सभी को उतनी ही प्यार से पूछ-पूछकर मनपसंद भोजन बनाकर खिलाना और सबकी देखभाल करना, किसी को कोई तकलीफ न हो इसका ख्याल वे ही करती थी। कपड़े गंदे हो जायें तो वी.पी. हाउस से धोबिन को बुला कर कपड़े देकर धुलवाना। यहां तक कि जब हम वापस पटना लौटते तो पराठा सब्जी बनाकर ट्रेन में खाने के लिए दे देना। इतना सारा कुछ करती थी। उनकी बातें याद करने पर आंखें भर आती है। मुझसे तो इतना प्यार दिया करती थी कि जितना कि अपनी भाभियों ने भी नहीं दिया होगा।

उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष और महिला आयोग की अध्यक्ष का दायित्व भी निभाया। उन्होंने ग्वालियर की महारानी विजया राजे सिंधिया पर पुस्तक लिखी। जब वे गोवा की राज्यपाल बनी तो मुझे सपत्नीक गोवा बुलवाया। राजभवन में ठहराया। कई बार तो वे स्वयं रसोईघर में घुस जाती थी और मना करने पर कहती थी, "कि मेरे देवर जी आये हैं। मैं स्वयं उन्हें उनके मनपसंद की बिहारी व्यंजन बना कर खिलाऊंगी। इन घटनाओं को बताना भी मुश्किल है। मैंने उन्हें अपने विद्यालय दि इंडियन पब्लिक स्कूल, देहरादून में एक कार्यक्रम में बुलाया तो उनके आगमन के दिन उत्तराखंड के राज्यपाल ने राजभवन की गाड़ी अपने ए.डी.सी. के साथ एयरपोर्ट पर भेजी। वे राजभवन की गाड़ी में न बैठकर मेरी गाड़ी में बैठी और उन्होंने कहा कि "मैं राजभवन में न ठहरकर मैं अपने देवर जी के यहां ही ठहरूंगी।" वे मेरे विद्यालय परिसर के मेरे आवास पर ही रूकीं और एक दिन के कार्यक्रम के लिये आई थीं पर वे चार-पांच दिन रूकी। ऐसे अनेक संस्मरण हैं। अभी कुछ महीने पहले महान साहित्यकार, लेखक, सांसद डा. शंकर दयाल सिंह जी की पुत्री डा. रश्मि सिंह ने अपने आवास पर 9 अप्रैल को एक कार्यक्रम में मृदुला भाभी और मुझे साथ बुलाया था। उस कार्यक्रम में मृदुला भाभी ने मुझे शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। उनका मेरे प्रति इतना सम्मान था। उन्हें लगा कि जब मैं कार्यक्रम में आया हूं तो मुझे भी सम्मान मिलना चाहिए। वे ऐसी विदुषी भारतीय नारी थी मृदुला जी। उन्हें किस प्रकार से श्रद्धांजलि अर्पित किया जाये यह समझ में नहीं आता। उनके व्यक्तित्व की बार-बार याद आती है।

एक बार दीदी मां साध्वी ऋतम्भरा जी के वृन्दावन आश्रम में एक कार्यक्रम में वे मंच पर बैठी थी और मैं उनके ठीक सामने नीचे की कुर्सी पर बैठा था। उन्होंने अपने भाषण में मंच पर से कहा कि "मेरे सामने मेरे देवर जी आर.के. सिन्हा बैठे हैं।" मैंने भी कहा कि फिर अपने देवर को एक गीत सुना दीजियेगा। उन्होंने अपना भाषण समाप्त करने के बाद एक लोकगीत गाकर सुनाया। सारे श्रोतागण खुशी से झूम उठे। यह मेरे लिए तो मर्मस्पर्शी क्षण था ही। इसी प्रकार बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन का, पटना में 'शताब्दी समारोह' मनाया जा रहा था। मैं स्वागताध्यक्ष था। उस समय के तत्कालीन राज्यपाल और अब देश के राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद जी को आमंत्रित किया गया था। मृदुला भाभी जी को भी मैंने आग्रहपूर्वक बुलाया था। वे पटना आयीं। दोनों तत्कालीन राज्यपालों के साथ मंच पर बैठने का सौभाग्य मिला। वह मंच पर बैठे-बैठे ही रामनाथ कोविंद जी को मेरे बारे में बहुत सी बातें कह गईं। उसे याद कर मन भर आता है।

• मृदुला सिन्हा जी बाल्यकाल से ही ऐसी संस्कारों में पली-बढीं, कि उनके संस्कारों और उनकी रुचि में लोक संस्कृति, लोक साहित्य, लोक कथाओं और लोक गीतों का समन्वय गहराई से पनप गया।

ईश्वर से प्रार्थना है कि उनकी पवित्र आत्मा को चिर शांति प्रदान करें और डॉ. रामकृपाल सिन्हा जी, नवीन, प्रवीण, लिली और सभी परिवार जनों को एवं उनके चाहनेवाले लाखों कार्यकर्ताओं को शोक की घड़ी में ईश्वर शक्ति और संबल प्रदान करें। ऐसी महान कार्यकर्ता बार-बार भाजपा में आते रहें।

ओम शांति ! ओम शांति !! ओम शांति !! ■

(लेखक भाजपा नेता एवं पूर्व सांसद हैं)

जारी हुआ 'छठ पूजा पर मेरा टिकट'

केंद्रीय संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी और विधि एवं न्याय मंत्री श्री रविशंकर प्रसाद ने 19 नवंबर को 'छठ पूजा पर मेरा टिकट' जारी किया। मेरा टिकट डाक विभाग द्वारा शुरू की गई एक नवीन अवधारणा पहल है। कोई भी सामान्य व्यक्ति या कॉर्पोरेट संगठन अब ऑर्डर बुक कर सकता है और एक व्यक्तिगत तस्वीर या एक डाक टिकट की एक छवि प्राप्त कर सकता है। मेरा टिकट भारतीय डाक विभाग द्वारा पेश किए जा रहे अनूठे उत्पादों में से एक है, जिसने विशेष उपहार की श्रेणी में अपनी लोकप्रियता हासिल की है।

छठ पूजा पर मेरा डाक टिकट देश भर के सभी डाक टिकट संग्रहालय और प्रमुख डाकघरों में उपलब्ध है। 'छठ— सादगी और स्वच्छता का प्रतीक विषय पर एक विशेष कवर भी जारी किया गया।

मेरा टिकट जारी करते हुए श्री प्रसाद ने कहा कि छठ पूजा एकमात्र ऐसा त्योहार है जिसमें हम न केवल उगते सूरज की पूजा करते हैं, बल्कि सूर्यास्त यानी उषा और प्रत्यूषा की भी पूजा करते

हैं। सूर्य और छठी मईया की पूजा परंपराओं के लिए अद्वितीय है और सादगी, पवित्रता और अनुशासन के मूल्यों का प्रचार करती है।

श्री प्रसाद ने डाक विभाग द्वारा कोविड महामारी के दौरान विशेष रूप से लाभार्थियों के घर पर पैसा पहुंचाने के लिए डिजिटल तकनीक का उपयोग करते हुए डाक विभाग द्वारा किए गए अच्छे काम के लिए बधाई दी। उन्होंने विभाग से डाक टिकटों के माध्यम से विभिन्न लोकप्रिय त्योहारों के इतिहास को प्रदर्शित करने की संभावना का पता लगाने का आह्वान किया। ■

कमल संदेश के आजीवन सदस्य बने

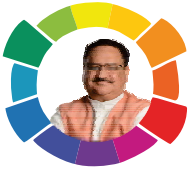

आज ही लीजिए कमल संदेश की सदस्यता और दीजिए राष्ट्रीय विचार के संवर्धन में अपना योगदान!

सदस्यता प्रपत्र

नाम : .....

पूरा पता : .....

.....

..... पिन : .....

दूरभाष : ..... मोबाइल : (1)..... (2).....

ईमेल : .....

सदस्यता						
	एक वर्ष	₹350/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी/अंग्रेजी)	₹3000/-	☐
	तीन वर्ष	₹1000/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी+अंग्रेजी)	₹5000/-	☐

(भुगतान विवरण)

चेक/ड्राफ्ट क्र. :..... दिनांक :..... बैंक : .....

नोट : डीडी / चेक '**कमल संदेश**' के नाम देय होगा।
मनी आर्डर और नकद पूरे विवरण के साथ स्वीकार किए जाएंगे।

(हस्ताक्षर)

कमल संदेश

अपना डीडी/चेक निम्न पते पर भेजें

डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पीपी-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003

फोन: 011-23381428 फैक्स: 011-23387887 ईमेल: kamalsandesh@yahoo.co.in

कमल संदेश: राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

भूटान में रूपे कार्ड के दूसरे चरण का वर्चुअल माध्यम के जरिए संयुक्त रूप से शुभारंभ करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और भूटान के प्रधानमंत्री श्री लोते शेरिंग

नई दिल्ली में एक वर्चुअल समारोह के दौरान भूटान में रूपे कार्ड के दूसरे चरण के शुभारंभ पर संबोधित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में वर्चुअल माध्यम के जरिए बेंगलुरु टेक सम्मेलन को संबोधित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

जैनाचार्य श्री विजय वल्लभ सुरिश्वर जी महाराज की 151वीं जयंती के उपलक्ष्य में पाली (राजस्थान) स्थित 'शांति की प्रतिमा' के अनावरण पर नई दिल्ली में वर्चुअल रूप से संबोधित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

जैसलमेर (राजस्थान) के लोंगेवाला में भारतीय सेना के जवानों के साथ दिवाली मनाते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

जैसलमेर (राजस्थान) के लोंगेवाला में भारतीय टैंक पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

कमल संदेश

अब इंटरनेट पर भी उपलब्ध

लॉग इन करें:

www.kamalsandesh.org

राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

@Kamal.Sandesh

@KamalSandesh

kamal.sandesh

KamalSandeshLive

प्रेषण तिथि: (i) 1-2 चालू माह (ii) 16-17 चालू माह

डाकघर: लोदी रोड एचओ., नई दिल्ली **"रजिस्टर्ड"**

36 पृष्ठ कवर सहित

आर.एन.आई. DELHIN/2006/16953

डी.एल. (एस)-17/3264/2018-20

Licence to Post without Prepayment

Licence No. U(S)-41/2018-20

छायाकार: अजय कुमार सिंह